मनेन्द्रगढ़
05 नवंबर 2025 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

बीसीसीआई ने सीनियर
@ पेज 7

बिहार चुनावः राजद-कांग्रेस पर जमकर बरसे पीएम मोदी

पीएम बोले- इनकी सरकार ने रोका विकास कांग्रेस ने भी किया पलटवार

प्रियंका ने सुझाव दिया कि उन्हें एक अपमान मंत्रालय बनाना चाहिए,

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव में कुछ दिनों का समय शेष रह गया है। ऐसे में राजनीतिक पार्टियों ने अपने-अपने प्रचार-प्रसार के दौरान प्रतिद्वंदी दलों पर जमकर निशाना साध रही है। एक तरफ जहां सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजद और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और प्रियंका गांधी ने भी पीएम मोदी और एनडीए पर निशाना साधा। सहरसा और कटिहार में रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस की शब्दावली में केवल कट्टा, क्रूरता, कड़वाहट, भ्रष्टाचार और जंगलराज जैसे शब्द भरे हैं। उन्होंने कहा कि इनकी सरकार बिहार की प्रगति को रोक रही थी, जबकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में जंगलराज खत्म हुआ और बिहार में अच्छी शासन व्यवस्था आई।

पीएम मोदी ने महिलाओं और युवाओं से की अपील : इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं और युवाओं से वोट देने की अपील की। साथ ही कहा कि मैं बिहार की बहन और बेटियों से अपील कर रहा हूं कि वो मतदान करते समय सतर्क रहे, एनडीए की पहचान विकास से है, जबकि राजद और कांग्रेस की पहचान विनाश से है। उन्होंने राजद और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वे अवैध घुसपैठियों की सुरक्षा कर रहे हैं। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि कांग्रेस ने केवल 20 करोड़ का वादा किया और भूल गई, जबकि उनकी सरकार ने 2,000 करोड़ रुपये खर्च कर शिक्षा संस्थानों की स्थिति सुधार दी।

खरगे का पलटवार, बोले- एनडीए में फूट है,

इसी क्रम में पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी एनडीए और पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए में फूट है। उन्होंने पूछा कि प्रधानमंत्री मोदी के रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार क्यों नहीं दिखे और भाषणों में उनका नाम मुख्यमंत्री उम्मीदवार के तौर पर क्यों नहीं लिया गया। खरगे ने पीएम मोदी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि नेताओं को रोजगार, निवेश और शिक्षा सुधार जैसे मुद्दों पर बात करनी चाहिए, न कि विपक्ष पर हमला करने में समय गंवाना चाहिए।

प्रियंका गांधी ने महागठबंधन को सत्ता में लाने की अपील की

दूसरी ओर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोनबरसा में रैली को संबोधित करते हुए बिहार के लोगों से महागठबंधन को सत्ता में लाने की अपील की। उन्होंने कहा कि महागठबंधन सरकार आने पर राज्य में प्रगति और विकास का दौर शुरू होगा, खासकर शिक्षा और रोज़गार के क्षेत्र में। इस दौरान प्रियंका गांधी ने कई जन कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी, जो महागठबंधन सरकार बिहार में लागू करेगी। उन्होंने एनडीए सरकार पर आरोप लगाया कि एनडीए शासन में बिहार की आवाज नहीं सुनी जाती और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी अहम फैसलों में कोई दखल नहीं ले पा रहे हैं। प्रियंका ने आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार दिल्ली से मिलने वाले निर्देशों से चलाया जा रहा है। प्रियंका ने एसआईआर और अपमान का भी उठाया मुद्दा।

बड़हरा में नड्डा की गरज, जंगलराज पर जुबानी जंग तेज

कहा- जिंदगी जेल व बेल में ही कट जाएगी

भोजपुर, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण से पहले सियासी माहौल पूरी तरह गरमा गया है। इसी क्रम में एनडीए के स्टार प्रचारक और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भोजपुर जिले के बड़हरा विधानसभा क्षेत्र के दौलतपुर खेल मैदान में विशाल जनसभा को संबोधित किया। मंच पर पहुंचते ही उन्होंने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा और केंद्र व राज्य सरकार की विकास योजनाओं को जनता के सामने रखा। जनसभा में उमड़ी भारी भीड़ ने पूरे मैदान को चुनावी जोश से भर दिया।

नड्डा ने भाषण की शुरुआत करते हुए कहा कि वह सबसे पहले प्राचीन काली मंदिर और वीर कुंवर सिंह को नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि यह चुनाव बिहार को विकसित राज्य बनाने का निर्णायक अवसर है। बिहार की विकास की गाड़ी 2005 के बाद पटरी पर आई है, अब इसे आगे बढ़ाना है। उन्होंने चेतावनी दी कि 1990 से 2005 तक का दौर अमावस्या की रात था। महागठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह ठगबंधन और लठबंधन है जिसने बिहार को लालटेन युग में रखा, जबकि एनडीए ने उसे एलईडी के युग में पहुंचाया।

चुनाव के बाद हर महिला को दो लाख रुपये का लाभ मिलेगा

अपने संबोधन में उन्होंने बिहार में हुए बड़े बुनियादी बदलावों का जिक्र करते हुए कहा कि पहले कोईलवर में एक लेन का पुल था, अब छह लेन का पुल है। पहले सड़कें और एक्सप्रेसवे सपना था, आज हर ओर हाइवे, रेलवे और इंटरनेट की रफ्तार है। उन्होंने बताया कि पटना से सासाराम एक्सप्रेसवे और मेट्रो परियोजनाएं बिहार के नए युग की पहचान हैं। महिलाओं को लेकर उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद हर महिला को दो लाख रुपये का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि 62 करोड़ लोगों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए 5 लाख रुपये तक की सहायता दी जा रही है।

दरभंगा में 1200 करोड़ का एम्स बन रहा है- नड्डा

नड्डा ने कहा कि 20 साल पहले मोबाइल चार्ज करने के लिए दस रुपये देने पड़ते थे, आज हर गांव में बिजली और इंटरनेट है। उन्होंने बताया कि 8000 से ज्यादा पंचायतों को इंटरनेट से जोड़ा गया है, रेलवे का बजट बिहार के लिए 10 गुना बढ़ा है, 98 रेलवे स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आधुनिक बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि बिहटा में 1400 करोड़ का अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और दरभंगा में 1200 करोड़ का एम्स बन रहा है।

2003 में लालू प्रसाद ने 'तेल पिलावन, लाठियां भजावन' रैली निकाली थी- अंत में नड्डा ने आरजेडी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, आरजेडी का मतलब है रंगदारी, जंगलराज और दादागिरी। उन्होंने याद दिलाया कि 2003 में लालू प्रसाद ने 'तेल पिलावन, लाठियां भजावन' रैली निकाली थी। नड्डा ने कहा, जिन लोगों ने नौकरी के बदले जमीन घोटाला किया, वे अब नई पैकिंग में जनता को गुमराह कर रहे हैं। तेजस्वी यादव कहते हैं नौकरी देंगे, पर देंगे कैसे? उनकी राजनीति अब जेल और बेल के बीच सिमट गई है। लालू, राबड़ी, तेजस्वी, मीसा सब बेल पर हैं।

ममता कुलकर्णी से नाराज टीना मां ने नया अखाड़ा बनाया

प्रयागराज, एजेंसी। किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर टीना मां अब सनातनी किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर बन गई हैं। चर्चा है कि ममता कुलकर्णी के किन्नर अखाड़े में महामंडलेश्वर बनाए जाने के बाद से वह नाराज चल रही थीं। प्रयागराज में पट्टाभिषेक से पहले टीना मां संगम से जल लेकर पहुंचीं। बैरहना स्थित आश्रम में गुरु अंजलि ने उनका पट्टाभिषेक कराया। इसके बाद टीना मां ने सनातनी किन्नर अखाड़े के नए ध्वज को फहराया। टीना मां के पट्टाभिषेक के बीच 51 ब्राह्मणों ने मंत्रोच्चार किया। इस दौरान काशी से 20 से अधिक डमरू वादक भी पहुंचे। बैंडबाजों की धुन पर किन्नरों ने जमकर डांस किया। हाथों में तलवार-त्रिशूल लेकर किन्नरों ने करतब भी दिखाया।

भोपाल में एअर इंडिया की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

भोपाल, एजेंसी। भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट पर एअर इंडिया की एक फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान दिल्ली से बेंगलुरु की ओर जा रहा था। उड़ान के दौरान पायलट को फ्लाइट के कार्गो से इमरजेंसी वॉर्निंग सिग्नल मिला था। इसके बाद पायलट ने सतर्कता बरतते हुए भोपाल एयरपोर्ट पर विमान को उतारा। भोपाल एयरपोर्ट के डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि फ्लाइट ने रात 8.15 बजे एहतियातन भोपाल में लैंड किया था। यह एक सामान्य प्रक्रिया होती है, जब पायलट को सिस्टम में कुछ अनयूज़ुअल लगता है।

ललन सिंह पर चुनाव आयोग ने एफआईआर कराई, केंद्रीय मंत्री बोले थे- वोटिंग के दिन कुछ नेताओं को घर से निकलने मत देना

नई दिल्ली/पटना, एजेंसी। चुनाव आयोग ने केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह के खिलाफ मंगलवार को पटना में FIR दर्ज कराई गई है। ललन पर आचार संहिता उल्लंघन का आरोप है। दरअसल, ललन सिंह ने सोमवार को जदयू प्रत्याशी और बाहुबली नेता अनंत सिंह के लिए प्रचार किया था। इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए उनका एक वीडियो वायरल हुआ। इसमें उन्हें कहते सुना गया- यहां कुछ नेता है, जिनको चुनाव के दिन निकलने मत दीजिएगा। घर में ही बंद कर दीजिएगा। हाथ-पैर जोड़ें तो कहिएगा हमारे साथ चलकर वोट दीजिए और घर में बैठिए। RJD ने X पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि ललन सिंह गरीबों को वोट डालने से रोक रहे हैं। इस पर EC ने ललन सिंह को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। हालांकि, JDU ने इस आरोप को गलत बताया और कहा कि अनंत सिंह का वीडियो एडिटेड है। दूसरी तरफ, राजद नेता और महागठबंधन के सीएम चेहरे तेजस्वी यादव ने मंगलवार को पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उनकी सरकार बनी तो 14 जनवरी को माई बहिन मान योजना के तहत महिलाओं के खाते में 30 हजार देंगे। तेजस्वी ने कहा- मकर संक्रांति के दिन, 14 जनवरी को, पूरे साल भर का 30 हजार महिलाओं के खाते में ट्रांसफर करेंगे। 5 साल के दौरान कुल डेढ़ लाख मिलेंगे। राज्य की जीविका दीदियों को स्थायी किया जाएगा। उन्हें 30,000 प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा।

राजनाथ बोले- जंगलराज वाले कहेंगे, आइए बिहार में ठोक देंगे कट्टा कपार में : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को महागठबंधन के र्स्फ़ेस और राजद नेता तेजस्वी यादव के गढ़ राघोपुर में सभा की। राजनाथ सिंह ने कहा- NDA वाले जनता से कहते हैं, आइए न हमारे विकसित बिहार में। जबकि जंगलराज वाले कहते हैं, आइए न बिहार में ठोक देंगे कपार में। ये फर्क है महागठबंधन और एनडीए में। वहीं, सीवान में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा- हमारे रघुनाथपुर में शहाबुद्दीन और उनके परिवार ने हत्याओं में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है, हमें इस कलंक को मिटाना होगा।

दरभंगा में उमड़ा जनसैलाब : योगी आदित्यनाथ ने किया राजग उम्मीदवारों के पक्ष में रोड-शो, विपक्ष पर जमकर बरसे

दरभंगा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भाजपा के फायरब्रांड नेता योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को दरभंगा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवारों के समर्थन में रोड-शो और विशाल जनसभा कर राजनीतिक माहौल को गरमा दिया। पूरा शहर भगवा रंग में रंगा दिखा, जहां जनसैलाब उमड़ पड़ा। लोहिया चौक से बाकरगंज तक सड़कों पर 'जय श्रीराम' और 'भारत माता की जय' के नारों से गूंज उठी दरभंगा की धरती।

लोहिया चौक से बाकरगंज तक दिखा उत्साह : योगी आदित्यनाथ का काफिला जैसे ही लोहिया चौक पहुंचा, लोगों की भीड़ ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका अभिवादन किया और सड़क किनारे खड़े हजारों समर्थकों ने झंडे-बैनर लहराकर योगी-योगी के नारे लगाए। शहर के प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए गए थे ताकि भीड़-नियंत्रण और यातायात सुचारु बना रहे।

राजग सरकार की उपलब्धियों का किया उल्लेख : अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्र और बिहार की राजग सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास और सुरक्षा दोनों में आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा, अब देश आतंकवाद, तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार के युग से निकल चुका है। मोदी जी ने देश को सुरक्षित, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अग्रसर किया है। उन्होंने बिहार के विकास कार्यों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व की सराहना की और कहा कि राजग की सरकार ने गरीबों के लिए जो योजनाएं चलाई हैं, उसका सीधा लाभ हर घर तक पहुंचा है।

राहुल ने पूछा-नीतीश को हटाने का प्लान तैयार है न, औरंगाबाद में बोले- वे 20 साल से सरकार चला रहे; लेकिन चल नहीं रही है

औरंगाबाद, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी औरंगाबाद में सभा कर रहे हैं। उन्होंने मंच पर पहुंचते ही लोगों से पूछा, कैसे हैं आप लोग। मूड कैसा है आपका। नीतीश जी को हटाने का प्लान है आपका। काम जारी है आपका। चल रहा है। 20 साल से नीतीश जी सरकार चला रहे हैं। वो चला रहे हैं, लेकिन चल नहीं रही है। उन्होंने कहा कि बिहार की सरकार दिल्ली से मोदी जी के ऑर्डर पर चल रही है। यहां आप लोगों के लिए सरकार के पास जमीन नहीं है, लेकिन मोदी जी के पास अडाणी, अंबानी के लिए बहुत जमीनें हैं।

राहुल ने कहा कि ये लोग जानते हैं कि बिहार का चुनाव हार

रहे हैं। ये इसी में लगे हैं। इन लोगों ने काम तो किए नहीं जो उनके बूते चुनाव जीते तो ये वोट चोरी कर लेते हैं।

दुबई बना सकते हैं तो बिहार क्यों नहीं : राहुल गांधी ने कहा, मैं बिहार के युवाओं से सवाल पूछना चाहता हूं। मैं देश के किसी भी प्रदेश में जाता हूं तो वहां मुझे बिहार के लोग दिखाई देते हैं। दुबई जैसी जगह को आपने अपने खून पसीने से बनाया है। मेरा आपसे सवाल है कि जब आप दुबई और बेंगलुरु जैसा शहर बना सकते हो तो ये बिहार में क्यों नहीं कर पाते हो। एक समय होता था जब नालंदा की यूनिवर्सिटी पूरी दुनिया में मशहूर थी। जापान, कोरिया, इंग्लैंड से लोग पढ़ाई करने आते थे। दुनिया की शिक्षा का सेंटर नालंदा था।

राहुल गांधी बोले- वोट के लिए ड्रामा करते हैं मोदी

राहुल बोले- मोदी जी ने कभी किसी मजदूर को छुआ तक नहीं होगा। मोदी छठ पूजा का ड्रामा कर रहे, यमुना की बजाए स्विमिंग पुल में नहाते हैं राहुल गांधी ने छठ पर्व पर यमुना नदी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा है कि मोदी जी छठ पूजा का ड्रामा कर रहे हैं और यमुना नदी में नहाने के बजाय एक स्विमिंग पूल में नहाने गए थे।

राहुल ने आरोप लगाया कि यह छठ पूजा वोट हासिल करने के लिए किया गया नाटक है और मोदी वोट के लिए मंच पर नाच भी सकते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी को छठ पूजा या बिहार की परंपरा से कोई लेना-देना नहीं है, उनका मकसद केवल वोट लेना है। राहुल ने यह भी कहा कि मोदी जी जनता की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं रखते, सिर्फ प्रचार और सत्ता में बने रहने में लगे रहते हैं।

किसानों को 10 घंटे से ज्यादा बिजली तो कटेगी सैलरी

एमपी में विद्युत कंपनी का आदेश, कांग्रेस बोली- ये बीजेपी सरकार का दोहरा चरित्र

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश में एक तरफ किसान बेमौसम बारिश से परेशान हैं तो दूसरी तरफ बिजली विभाग के एक फरमान ने उनको हलाकान कर दिया है। दरअसल, विद्युत कंपनी ने आदेश जारी किया है कि किसी महीने में किसी भी कृषि फीडर पर एक दिन में 10 घंटे से ज्यादा बिजली की सप्लाई नहीं करनी है। ऐसा पाए जाने पर संबंधित ऑपरेटर का एक दिन का वेतन काट दिया जाएगा।

ये आदेश मध्य क्षेत्र विद्युत मंडल कंपनी के चीफ जनरल मैनेजर एके जैन ने निकाला है। कांग्रेस ने इसे भाजपा सरकार का दोगलापन बताया है। इसकी

कॉपी भोपाल और ग्वालियर के साथ सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, रायसेन, हरदा, विदिशा, अशोकनगर, गुना, भिंड, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी और दतिया के महाप्रबंधकों को भेजी गई है।

जेई से लेकर जीएम तक की सैलरी कटेगी : मध्य क्षेत्र विद्युत मंडल कंपनी के आदेश में लिखा है- यदि किसी कृषि फीडर पर निर्धारित 10 घंटे से अधिक बिजली दी जाती है तो इसे नियम के खिलाफ माना जाएगा और संबंधित ऑपरेटर की एक दिन की सैलरी काटी जाएगी।

यदि कंट्रोल रूम द्वारा किसी कृषि फीडर पर 2 दिन लगातार 10 घंटे से अधिक बिजली दी जाती है तो संबंधित जूनियर इंजीनियर का एक दिन का वेतन काटा जाएगा। लगातार 5 दिन तक ऐसा होने पर एक्जीक्यूटिव इंजीनियर की 1 दिन की सैलरी काटी जाएगी।

यदि 7 दिन तक प्रतिदिन 10 घंटे से अधिक आपूर्ति पाई जाती है, तो उपमहाप्रबंधक (DGM) या महाप्रबंधक (GM) का एक दिन का वेतन काटा जाएगा।

आंध्र प्रदेश में लाल चंदन के किसानों को एनबीए ने जारी किए तीन करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण(एनबीए) ने भारत के जैविक संसाधनों के सतत उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मूल्यांकन और लाभ साझा करने के पहल के तहत आंध्रप्रदेश के लाल चंदन के किसानों को तीन करोड़ रुपये जारी किए।

केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि एनबीए ने 199 लाभार्थियों को 3.00 करोड़ रुपये वितरित किए हैं। इनमें आंध्र प्रदेश के 198 किसान और लाल चंदन (प्टेरोकार्पस सैंटालिनस) के उत्पादक और आंध्र विश्वविद्यालय के रूप में एक शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं। आंध्र प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के माध्यम से किया गया यह वितरण जैव विविधता अधिनियम के अंतर्गत मूल्यांकन और लाभ साझा करने के तंत्र का भाग है। इससे पहले, एनबीए ने लाल चंदन की सुरक्षा और संवर्धन के लिए आंध्र प्रदेश वन विभाग, कर्नाटक वन विभाग और आंध्र प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड को 48.00 करोड़ रुपये और तमिलनाडु के किसानों को 55.00 लाख रुपये जारी किए थे।

असम में वोटर्स की नागरिकता जांचे बिना ही होगा एसआईआर

निर्वाचन आयोग बना रहा नया मॉडल; 12 राज्यों-यूटी में शुरू हुआ प्रोसेस

नई दिल्ली ,एजेंसी। 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मंगलवार से मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) शुरू होगा। इनमें से तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव हैं। असम में भी अगले साल चुनाव हैं। लेकिन, अभी वहां SIR का शेड्यूल तय नहीं है। 12 राज्यों में SIR के दौरान आयोग का फोकस नागरिकता की जांच पर है। सूत्रों के अनुसार असम में मतदाता सूची की गहन समीक्षा तो होगी, लेकिन नागरिकता की जांच नहीं होगी। राज्य में नागरिकता के उलझे हुए मुद्दे के बीच आयोग ये नया मॉडल तैयार कर रहा है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने SIR की घोषणा करते वक्त कहा था कि असम में नागरिकता को लेकर अलग प्रावधान हैं। नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स (NRC) की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। ऐसे में, असम के लिए अलग आदेश जारी होगा।

1971-87 के बीच जन्मे लोगों पर उलझन बनी : असम में नागरिकता की गुत्थी उलझी हुई है। इसे देखते हुए चुनाव आयोग स्ढ्ढ्र का विशेष मॉडल तैयार करेगा। दरअसल, बाकी देश में 1 जुलाई, 1987 से पहले जन्मे लोग भारतीय नागरिक माने गए हैं। लेकिन, 1985 के असम समझौते में इस पर जोर था कि 1971 की जंग के समय भारत आए बांग्लादेशी वापस भेजे जाएंगे। ऐसे में, 1971 से 1987 के बीच जन्मे लोगों पर उलझन पैदा हो गई।इसके बाद दो और मौकों पर नागरिकता का मुद्दा उलझता चला गया। असम समझौते के क्रियान्वयन में देरी हुई। फिर, चुनाव आयोग पर विदेशियों को मतदाता सूची से हटाने का दबाव बढ़ा तो 1997 में तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त एमएस गिल ने तय किया कि संदिग्ध नागरिकता वाले मतदाता डी यानी डाउटफुल श्रेणी में रखे जाएंगे। यानी उनके नाम सूची में तो रहेंगे लेकिन नागरिकता की पुष्टि तक वे मतदान नहीं कर सकेंगे। अभी नागरिकता मुद्दे का समाधान नहीं : डी वोटर्स के नाम विदेशियों की पहचान के लिए बने ट्रिब्यूनलों को सौंपे गए। 1.10 लाख डी वोटर्स के लिए 100 ट्रिब्यूनल बनाए गए थे। असम में नागरिकता निर्धारण पर तीसरा अहम मोड़ सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद आया। कोर्ट ने 2005 से 2010 के बीच अनेक याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए NRC प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। यह 2019 तक चली।

इसके बाद 19 लाख नाम मतदाता सूची से हटाने की सिफारिश आई। राजनीतिक विवाद छिड़ा और वह प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो पाई। सूत्रों के अनुसार, आयोग की मंशा है कि नागरिकता मुद्दे का समाधान होने तक राज्य में मतदाता सूची की समीक्षा के दौरान नागरिकता का सवाल छोड़ दिया जाए।

डीयू साहित्य महोत्सव का आयोजन 12 से 14 फरवरी 2026 तक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में 12 से 14 फरवरी तक एक विशाल साहित्य महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। साहित्य महोत्सव के लिए गठित कोर कमेटी की एक बैठक डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित हुई। इस पहली बैठक में महोत्सव को लेकर विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा हुई। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि यह एक विशाल आयोजन होने जा रहा है, इसका केंद्र बिन्दु राष्ट्र प्रेम होगा। इस महोत्सव का आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) व अन्य साहित्यिक संस्थाओं के सहयोग से किया जाएगा।

कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन देश हित को ध्यान में रख कर होने चाहिए। ऐसा कुछ भी नहीं होना चाहिए जो सामाजिक सौहार्द के खिलाफ हो। जो लोगों की भावना को ठेस पहुंचाए और लोगों में भेद करे, ऐसी कोई भी सामाग्री आयोजन का हिस्सा नहीं होनी चाहिए।

साहित्य महोत्सव की कोर कमेटी के कनवीनर और उपाध्यक्ष अनूप लाठर ने आयोजन की विस्तृत रूप रेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में देश भर के नामी लेखक, मीडिया जगत के लोग और जाने-माने सोशल मीडिया इन्फ़्ल्युएंसर भागीदारी करेंगे। इस दौरान पुस्तक विमोचन और पुस्तक चर्चाओं का भी आयोजन किया जाएगा। अनूप लाठर ने सभी सदस्यों से सक्रिय सहयोग का आह्वान करते हुए कहा कि जब तक प्रत्येक सदस्य की सक्रिय भागीदारी न हो तो कोई भी आयोजन सफल नहीं हो पाता।

इस अवसर पर डीयू कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता, एनबीटी से डिप्टी डायरेक्टर कंचन शर्मा, डीयू के वित्त अधिकारी गिरीश रंजन, डीन (अकादमिक) प्रो. के. रत्नाबली, डीयूसीसी के निदेशक प्रो. संजीव सिंह, कमेटी के सह-संयोजक प्रो. रविंदर कुमार, भारतीय भाषा एवं साहित्यिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. रवि प्रकाश टेकचंदानी, भारती कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. सलोनी गुप्ता, फारसी विभाग से सेवानिवृत्त प्रो. चंद्रशेखर, प्रो. मुश्ताक कादरी (उर्दू), उधमोदय फाउंडेशन से डॉ. अभिषेक टंडन, दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज से सहायक प्रोफेसर दिग्विजय सिंह, डीयू के चीफ इंजीनियर अशोक सैनी और कमेटी के सदस्य सचिव जय चंदा उपस्थित रहे।

दिल्ली में डेंगू से दो की मौत, अब तक 136 मामले दर्ज, MCD ने जारी की रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में मच्छर जनित बीमारियों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। नगर निगम दिल्ली द्वारा जारी नवीनतम साप्ताहिक रिपोर्टों के अनुसार, डेंगू ने एक बार फिर भयावह रूप ले लिया है। दिल्ली डेंगू से दो लोगों की मौत हो गई है।

वर्ष 2025 में अब तक दिल्ली में डेंगू के कुल 1136 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। यह संख्या चिंताजनक है, खासकर जब इसमें दो मौतों की पुष्टि भी शामिल है। ये आंकड़े बताते हैं कि मच्छरों के पनपने और बीमारियों के फैलने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं, जिन पर तत्काल नियंत्रण की आवश्यकता है।

दिल्ली में डरा रहे डेंगू के आंकड़े

बीती 25 अक्तूबर को एमसीडी के ताजा आंकड़ों के अनुसार, डेंगू के कुल 1066 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। यानी बीमारी ने 1000 का आंकड़ा पार कर लिया है। मानसून के बाद के दो महीनों सितंबर और अक्तूबर में

मामलों में सबसे तेज वृद्धि हुई है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर संकेत है।

डेंगू के सितंबर में 208 और अक्तूबर (25 अक्तूबर तक) में 307 नए केस दर्ज हुए। गत सप्ताह के दौरान डेंगू के 72 मामले सामने आए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश के बाद जमा पानी, अपर्याप्त सफाई और रोकथाम कार्यों में आई रुकावट इस बढ़ोतरी के मुख्य कारण हैं।

पिछले एक महीने से मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम में लगे फील्ड कर्मचारी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। इस कारण घर-घर निरीक्षण, लार्वा जांच और एंटी-लार्वल स्प्रे अभियान पर सीधा असर पड़ा है। अक्तूबर का महीना डेंगू नियंत्रण के लिए सबसे अहम होता है, लेकिन कर्मचारियों की अनुपस्थिति से निरीक्षण कार्य ठप हो गया है। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों के अनुसार, पिछले वर्ष अक्तूबर की तुलना में इस बार घरों की जांच और कानूनी कार्रवाई में भारी गिरावट दर्ज की गई है।

डेंगू के साथ मलेरिया और चिकनगुनिया के मामलों में भी तेजी आई है। इस साल अब तक मलेरिया के 590 और चिकनगुनिया के 120 मामले दर्ज किए गए हैं। मलेरिया के सबसे अधिक मामले अक्तूबर में आए हैं। इस माह के दौरान 219 मामले सामने आ चुके है। एमसीडी के अनुसार, इस वर्ष अब तक 3.21 करोड़ घरों का निरीक्षण किया गया, जिनमें से 2.18 लाख घरों में मच्छर प्रजनन स्थल पाए गए। उसने 1.43 लाख कानूनी नोटिस जारी किए, 27,959 अभियोजन शुरू किए और लगभग 19.6 लाख रुपये का जुर्माना वसूला है। हालांकि, रोकथाम कर्मचारियों की हड़ताल ने अभियान की रफ्तार पर असर डाला है।

नकली भारतीय मुद्रा सिंडिकेट का भंडाफोड़, तीन आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़े अंतरराज्यीय नकली भारतीय मुद्रा सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस संबंध में गिरोह के तीन सदस्य राकेश अरोड़ा, रवि अरोड़ा और विवेक कुमार मौर्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 3.24 लाख रुपये की नकली भारतीय मुद्रा, अधूरी छपी नोटों की शीटें, प्रिंटिंग उपकरण और कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए हैं। गिरोह दिल्ली, बरेली और शाहजहांपुर (उप्र) के बीच सक्रिय था।

क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने मंगलवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की सेंट्रल रेंज टीम के एएसआई दीपक कुमार द्वारा विकसित गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। पुलिसउपायुक्त ने बताया कि पुलिस टीम ने सबसे पहले विजय नगर, दिल्ली निवासी राकेश अरोड़ा (50) को नॉर्थ गेट मॉल क्षेत्र से गिरफ्तार किया। उसकी तलाशी में 500 के नोटों में 1,00,000 की नकली मुद्रा बरामद हुई। पूछताछ में उसने बताया कि ये नोट विवेक कुमार मौर्य ने अपने भाई रवि अरोड़ा के माध्यम से दिए थे। पुलिस टीम ने आगे राकेश की निशानदेही पर शाहजहांपुर (उ.प्र.) पहुंची और मोहल्ला बक्सरौया, चार खंभा स्थित रवि अरोड़ा (50) के घर पर छापा मारा। वहां से 500 मूल्यवर्ग के 35 नकली नोट और अन्य नकली नोट (500 व 200), एक मोबाइल फोन और विवेक मौर्य के नाम का मेडिकल प्रमाणपत्र बरामद किया गया। मौके पर जिले की एफएसएल टीम ने बरामद सामग्री की जांच की। रवि अरोड़ा ने पूछताछ में बताया कि नकली नोट विवेक मौर्य ही छापता था और उसकी मदद से दिल्ली में चलन में लाए जा रहे थे। पुलिस उपायुक्त के अनुसार रवि अरोड़ा के खुलासे पर टीम ने एसबीआई शाहजहांपुर शाखा से बैंक लेन-देन की जानकारी जुटाई, जिससे गौरव मिश्रा नाम के खाते का पता चला। यह खाता विवेक मौर्य द्वारा प्रयोग किया जा रहा था। इसके बाद पुलिस ने आर्य समाज मंदिर, सदर बाजार शाहजहांपुर स्थित किराए के मकान पर छापा मारा। जहां विवेक मौर्य (32) को कंप्यूटर व प्रिंटर से नकली नोट छापते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। मौके से 122 अधूरी प्रिंटिंग शीटें, विभिन्न मूल्यवर्ग की नकली मुद्रा, रासायनिक पाउडर, विशेष ग्रीन टेप (रिबन की जगह प्रयुक्त), प्रिंटर-पेपर सेटअप, और गौरव मिश्रा के नाम से जारी पैन कार्ड व पासबुक बरामद किए गए। कार्रवाई स्थानीय पुलिस और गवाहों की मौजूदगी में की गई।

पुलिसउपायुक्त के अनुसार क्राइम ब्रांच की यह कार्रवाई दिल्ली और उप्र में फैले नकली नोटों के नेटवर्क को ध्वस्त करने में मील का पत्थर साबित हुई है। टीम ने कई दिनों तक दिल्ली, बरेली और शाहजहांपुर में अभियान चलाया और गिरोह के प्रमुख सदस्यों को पकड़ा।

अमेरिकी अदालतों ने रोकी भारतीय मूल के व्यक्ति की देश निकाला प्रक्रिया, 43 साल बाद साबित हुआ निर्दोष

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अदालतों ने भारतीय मूल के उस व्यक्ति की देश निकाला प्रक्रिया पर रोक लगा दी है, जिसे एक हत्या के झूठे आरोप में 43 साल जेल में रहना पड़ा। 64 वर्षीय सुब्रमण्यम वेदम की हत्या की सजा को इसी साल अदालत ने रद्द कर दिया था। वेदम जब सिर्फ 9 महीने के थे, तब अपने माता-पिता के साथ कानूनी रूप से अमेरिका पहुंचे थे। उनके पिता पेनसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में शिक्षक थे।

अदालत का फैसला: अमेरिकी इमिग्रेशन जज ने गुरुवार को आदेश दिया कि जब तक बोर्ड ऑफ इमिग्रेशन अपील्स उनका केस नहीं देखता, तब तक वेदम को निर्वासित नहीं किया जाएगा। उनके वकीलों ने पेनसिल्वेनिया की जिला अदालत से भी राहत पाई, जिससे मामला फिलहाल स्थगित हो गया है।

43 साल पुरानी त्रासदी: वेदम को 1980 में अपने दोस्त थॉमस किंसर की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। गवाहों और सबूतों के अभाव में भी उन्हें दो बार दोषी ठहराया गया। लेकिन अगस्त 2024 में अदालत ने नई बैलिस्टिक जांच रिपोर्ट के आधार पर उनकी सजा रद्द कर दी। 3 अक्तूबर को जेल से रिहाई के बाद, उन्हें सीधा इमिग्रेशन अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया। फिलहाल वे लुइसियाना के एलेक्जेंड्रिया डिटेंशन सेंटर में रखे गए हैं, जाता है।

क्यों करना चाहती है ICE निर्वासन : यूएस इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट वेदम को एक पुराने मामले के चलते निर्वासित करना चाहती है। करीब 20 साल की उम्र में उन्होंने रूस्ष ड्रग केस में नो कॉन्टेस्ट प्लिया दी थी। वेदम के वकील कहते हैं कि उन्होंने 43 साल जेल में निर्दोष रहते हुए बिताए, जहां उन्होंने शिक्षा हासिल की और कैदियों को पढ़ाया भी इसलिए उनका पुराना मामला अब महत्वहीन है। लेकिन अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग का कहना है कि हत्या का केस रद्द होने से ड्रग केस की सजा खत्म नहीं होती। बनाएंगे। इस्लामी ने कहा, ईरान के उत्तरी प्रांत गोलेस्तान के तट पर एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र का निर्माण शुरू हो गया है। खुजेस्तान प्रांत में एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र का निर्माण कार्य भी पूरा करने की योजना है, जिसका निर्माण 1979 की इस्लामी क्रांति से पहले शुरू हुआ था। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा, बम बनाना इस क्षेत्र का एक छोटा, असंगत और अमानवीय हिस्सा है, जबकि बाकी आवश्यक मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। वह बोले, पश्चिमी शक्तियां ईरान सहित स्वतंत्र देशों को उन्नत तकनीक से वंचित करना चाहती हैं, जिसका उद्देश्य आश्रित देशों को असेंबली उद्योगों के स्तर तक ही सीमित रखना है।

परिवार की राहत : उवेदम की बहन सरस्वती वेदम ने कहा हम आभारी हैं कि दो अलग–अलग अदालतों ने माना कि सुबु का निर्वासन अनुचित है। वह पहले ही 43 साल की सजा भुगत चुके हैं एक ऐसे अपराध के लिए, जो उन्होंने किया ही नहीं।

मिस्बाह हत्याकांड: पुलिस गिरफ्तारी के खेल में लगी रही, मास्टरमाइंड पहुंचा दुबई; छेनू के भतीजे ने कराया मर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल व स्थानीय सीलमपुर पुलिस हाशिम बाबा के शार्प शूटर मिस्बाह की हत्या करने वाले आरोपी छेनू गैंग के बदमाशों की गिरफ्तारी के खेल में लगी रही, जबकि इस हत्याकांड को अंजाम देने वाला छेनू गैंग के सरगना छेनू का भतीजा रिजवान आसानी से देश से भागने में कामयाब हो गया।

मिस्बाह की हत्या के बाद वह एक घंटे में देश छोड़ कर दुबई चला गया। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल व सीलमपुर थाना पुलिस ने 30 अक्तूबर की रात करीब 10-40 बजे जामा मस्जिद चौक के पास हाशिम बाबा गैंग के शार्प शूटर मिस्बाह की हत्या के आरोप में छेनू गैंग के प्रिंस गाजी और अब्दुल्ला को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस हत्याकांड को अंजाम देने के निर्देश देने वाले आरोपी रिजवान की तलाश कर रही है। जाफराबाद निवासी 22 वर्षीय मिस्बाह कॉफी पीने के बाद अपनी कार की ओर जा रहा था, जब दो अज्ञात बदमाशों ने मोटरसाइकिल पर सवार होकर उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में घटनास्थल से 20 से अधिक खाली कारतूस बरामद किए थे और करीब 15 गोलियां मिस्बाह के शरीर में लगीं थीं।

स्पेशल सेल के वरिष्ठ पुलिस सूत्रों के अनुसार मिस्बाह एक समय छेनू गैंग का शार्प शूटर था। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से हाथ मिलाने पर हाशिम बाबा गैंग के दिन चमकने लगे। ऐसे में छेनू गैंग का पतन होता जा रहा था। इसे देखते हुए मिस्बाह ने पासा पलट लिया था और वह हाशिम बाबा गैंग में शामिल हो गया था। अब लॉरेंस गैंग में फूट पड़ने से और मकाको में हाशिम बाबा के बंद होने से हाशिम बाबा बैंग कमजोर पड़ने लगा है। इसे देखते हुए छेनू गैंग अपनी पकड़ बढ़ाने लगा है। मिस्बाह कुछ महीने पहले ही जमानत पर जेल से बाहर आया था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार उसने शराब पीकर छेनू गैंग को काफी गालियां दी थीं। इन गालियों से छेनू का भतीजा रिजवान आपा खो बैठा था। उसने प्रिंस गाजी व अब्दुल्ला को मिस्बाह की हत्या करने को कहा था।

हत्या के बाद एक घंटे में ही छोड़ दिया देश : दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रिंस गाजी ने दिल्ली के सीलमपुर थाने में सरेंडर किया था। ये भी बताया जा रहा है कि अब्दुल्ला ने मेरठ में सरेंडर किया था। वहीं स्पेशल सेल ने इसको गिरफ्तार किया है। पुलिस इस गिरफ्तारी के खेल में लगी रही, जबकि हत्याकांड को अंजाम दिलवाने वाला रिजवान एक घंटे में ही देश छोड़कर फरार हो गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मिस्बाह की रात 11 बजे के आसपास हत्या की गई थी, जबकि रिजवान 12 बजे एयरपोर्ट से दुबई फरार हो गया। ऐसे में दिल्ली पुलिस के खुफिया तंत्र पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

चीन ने ट्रंप के गुप्त परमाणु परीक्षण के दावे को किया खारिज, चीनी विदेश मंत्रालय ने जारी किया बयान

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे का खंडन किया है, जिसमें दावा किया गया कि चीन गुप्त रूप से परमाणु हथियार परीक्षण कर रहा है। चीन ने इस आरोप को खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से झूठा करार दिया है।रविवार को सीबीएस के साथ एक साक्षात्कार में ट्रंप की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने सोमवार (03 नवंबर) को कहा कि बीजिंग एक आत्मरक्षात्मक परमाणु रणनीति पर कायम है और परमाणु परीक्षणों पर अपने प्रतिबंध का पालन करता है।

चीनी विदेश मंत्रालय ने जारी किया बयान: ग्लोबल टाइम्स के हवाले से माओ ने कहा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक स्थायी सदस्य और एक परमाणु-हथियार संपन्न देश के रूप में चीन परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल ना करने की नीति का पालन करता है, एक आत्मरक्षात्मक परमाणु रणनीति बनाए रखता है और परमाणु परीक्षण स्थगित करने की अपनी प्रतिबद्धता का सम्मान करता है।

अमेरिका से वैश्विक स्थिरता की अपील: उन्होंने आगे कहा कि चीन व्यापक परमाणु-परीक्षण-प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) का समर्थन करता है और अमेरिका से उसी संधि के तहत अपने दायित्वों का पालन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि अमेरिका भी परमाणु परीक्षण पर अपनी रोक बरकरार रखेगा और वैश्विक स्थिरता में योगदान देगा।

ट्रंप ने चीन सहित कई देशों को लेकर किया दावा: दरअसल, इंटरव्यू में ट्रंप ने दावा किया कि रूस, चीन, उत्तर कोरिया और पाकिस्तान सहित कई देश पहले से ही परमाणु परीक्षण कर रहे हैं, और उन्होंने सुझाव दिया कि अमेरिका को अपना परीक्षण कार्यक्रम फिर से शुरू करना चाहिए। सीबीएस से ट्रंप ने कहा, रूस और चीन परमाणु परीक्षण कर रहे हैं, लेकिन कोई इस पर बात नहीं करता। हम एक खुले समाज हैं। अन्य देश परीक्षण कर रहे हैं, और हम अकेले हैं जो नहीं कर रहे। इसलिए हम भी परीक्षण करेंगे।

ट्रंप ने ये टिप्पणियां तब की, जब उनसे रूस के हाल ही में पोसाइडन अंडरवाटर ड्रोन सहित उन्नत परमाणु-सक्षम प्रणालियों के परीक्षणों के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा, आपको देखना होगा कि वे कैसे काम करते हैं। मैं परीक्षण इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि रूस ने घोषणा की थी कि वे परीक्षण करने जा रहे हैं। अगर आप गौर करें, तो उत्तर कोरिया लगातार परीक्षण कर रहा है। दूसरे देश भी परीक्षण कर रहे हैं। हम अकेले ऐसे देश हैं जो परीक्षण नहीं करते। और मैं अकेला ऐसा देश नहीं बनना चाहता जो परीक्षण ना करे।

अमेरिका के पास दुनिया में सबसे ज्यादा परमाणु हथियार: ट्रंप ने साक्षात्कार के दौरान कहा, हम भी दूसरे देशों की तरह परमाणु हथियारों का परीक्षण करेंगे। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिका के पास किसी भी अन्य देश से ज्यादा परमाणु हथियार हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारे पास इतनी परमाणु हथियार क्षमता है कि हम दुनिया को 150 बार नष्ट कर सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि रूस के पास बहुत सारे परमाणु हथियार हैं और चीन के पास भी बहुत होंगे। इससे पहले गुरुवार को ट्रंप ने रूस द्वारा हाल ही में उन्नत परमाणु-सक्षम प्रणालियों के परीक्षणों का हवाला देते हुए परमाणु हथियारों के परीक्षण को तुरंत फिर से शुरू करने की घोषणा की, जो दोनों परमाणु शक्तियों के बीच एक बड़े तनाव का संकेत है।

उलानबटोर में फंसे 228 यात्रियों को वापस लाएगा एयर इंडिया का विशेष विमान

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइंस उलानबटोर में फंसे 228 यात्रियों को वापस लाने के लिए एक विशेष विमान भेजेगी। तकनीकी समस्या के कारण सोमवार को एयर इंडिया एयरलाइंस की सैन फ्रांसिस्को-दिल्ली उड़ान को मंगोलिया की राजधानी डायवर्ट कर दिया गया था।

एयरलाइंस ने मंगलवार को बताया कि एयर इंडिया की उड़ान संख्या-ढ्ढ174 (2 नवंबर की सैन फ्रांसिस्को-दिल्ली) के यात्रियों को लाने के लिए एक राहत उड़ान संचालित करेगी, जिसे सोमवार को मंगोलिया की राजधानी उलानबटोर के लिए डायवर्ट कर दिया गया था। इस विमान में 245 लोग सवार थे, जिनमें 228 यात्री और 17 चलक दल के सदस्य थे।

विमानन कंपनी ने कहा कि उड़ान संख्या-ढ्ढ183 आज दोपहर दिल्ली से रवाना होगी और बुधवार सुबह प्रभावित यात्रियों को लेकर वापस आएगी। एयर इंडिया स्थानीय अधिकारियों और मंगोलिया स्थित भारतीय दूतावास के साथ मिलकर यात्रियों और चालक दल की देखभाल कर रही है, जिसमें उन्हें होटल में ठहरने की व्यवस्था भी शामिल है। एयरलाइंस ने कहा कि मेहमानों को नई दिल्ली ले जाने के लिए की जा रही व्यवस्थाओं के बारे में सूचित कर दिया गया है। एयर इंडिया में हमारे यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है।

काला जठेड़ी गैंग से जुड़े दो सक्रिय आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड ने कुख्यात काला जठेड़ी और ओम प्रकाश उर्फ काला गैंग से जुड़े दो सक्रिय आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो देशी पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान विनोद उर्फ बोना (27) और ध्रुव (19) के रूप में हुई है। दोनों दिल्ली के झरोदा कलां गांव के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, ये दोनों ओम प्रकाश उर्फ काला और उसके भाई अमित उर्फ बगे के निर्देश पर अपने गांव के ही एक व्यक्ति की हत्या की साजिश रच रहे थे। द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने मंगलवार को बताया कि जांच में पता चला कि विनोद उर्फ बोना पहले भी आर्म्स एक्ट समेत कई मामलों में जेल जा चुका है। हाल में रिहा होने के बाद वह फिर से काला गैंग के संपर्क में आया। वहीं ध्रुव भी दो आपराधिक मामलों में आरोपित है और तिहाड़ जेल में बंद अमित उर्फ बगे से मिलने के लिए अक्सर जाता था। दोनों ने गैंग के निर्देश पर हथियार जुटाए थे।

पुलिसउपायुक्त ने बताया कि जिले एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड टीम को सूचना मिली कि काला गैंग से जुड़ा एक सदस्य अवैध हथियारों के साथ घूम रहा है। इंस्पेक्टर कमलेश कुमार की अगुवाई में टीम ने झरोदागांव में दबिश देकर दोनों को पकड़ लिया। तलाशी में एक पिस्टल और एक देशी कट्टा बरामद हुआ।

पति की हत्या के मामले में पत्नी समेत तीन आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एनडीआर यूनिट ने हत्या के मामले में फरार चल रहे तीन घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों में मृतक की पत्नी भी शामिल है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान शबीना, पत्नी निजाम उर्फ इजाम लंगड़ा, शमीमा और निजाम उर्फ इजाम लंगड़ा के रूप में हुई है। ये तीनों थाना कालिंदी कुंज में दर्ज हत्या के मामले में वांछित थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार 20 और 21 मई की दरम्यानी रात कालिंदी कुंज इलाके में दो परिवारों के बीच पारिवारिक विवाद को लेकर झगड़ा हुआ था। विवाद इतना बढ़ गया कि एक पक्ष ने चाकू और अन्य हथियारों से दूसरे पक्ष पर हमला कर दिया। इस हमले में कई लोग घायल हुए। जबकि समसाद नामक व्यक्ति की बाद में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान छह आरोपित पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके थे। जबकि तीन शबीना, उसकी बहन शमीमा और शबीना का पति निजाम उर्फ इजाम लंगड़ा फरार हो गए थे। 15 सितंबर को अदालत ने तीनों को भगोड़ा घोषित किया था।

पुलिस अधिकारी के अनुसार घोषित अपराधियों की तलाश में इंस्पेक्टर विनोद यादव की देखरेख में एक टीम गठित की गई थी। पुलिस को सूचना मिली कि तीनों आरोपित नरेला औद्योगिक क्षेत्र में देखे गए हैं। तकनीकी निगरानी और स्थानीय मुखबिर की मदद से पुलिस टीम ने पहले शबीना और शमीमा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में शबीना ने अपने पति निजाम के ठिकाने का खुलासा किया। जिसके बाद उसे भी दबोच लिया गया।पुलिस पूछताछ में सामने आया कि शबीना की पहले शादी समसाद के भाई से हुई थी। जिसने कुछ समय पहले आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद मृतक समसाद अपनी पत्नी शमीमा और साली शबीना को परेशान करता था। इसी रंजिश में शबीना, शमीमा और उनके परिजनों ने मिलकर समसाद पर हमला कर दिया। जिसमें उसकी मौत हो गई। तीनों को अब अदालत में पेश किया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। बाहरी उत्तरी जिले के भलस्वा डेयरी इलाके में रविवार सुबह एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान 25 वर्षीय रामजन के रूप में हुई हैं। वह जहांगीर पुर का रहने वाला था। जांच में पता चला है कि रामजन जहांगीरपुरी का घोषित बदमाश भी था। उसके खिलाफ पहले से लूट, चोरी व आर्म्स एक्ट समेत नौ आपराधिक मामले दर्ज थे।

पुलिस के अनुसार रविवार सुबह सूचना मिली कि ÷स्वरूप नगर से करनाल बाइपास की ओर, कूड़े के ढेर के पास एक व्यक्ति शराब के नशे में पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और युवक को अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी के अनुसार अभी तक की जांच में सामने आया कि रात करीब 12¬15 बजे पेट्रोलिंग के दौरान हेडकांस्टेबल प्रदीप ने मृतक को जीटी रोड पर स्कूटी पर घूमते देखा था। पूछताछ करने पर वह वहां से चला गया। थोड़ी देर बाद वह दोबारा जीटी रोड डिवाइडर के पास देखा गया। जहां उसने स्कूटी रोकी और पैदल चलने लगा। अचानक वह सड़क पर गिर पड़ा। पुलिसकर्मी ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उपचार के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस के अनुसार मृतक के सीने के दाहिनी ओर चोट के निशान मिले हैं, जो संभवतः सड़क पर गिरने से लगे होंगे।फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतेजार कर रही है। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा।

शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली में तीन दिवसीय "राज्योत्सव" का समापन

मध्यप्रदेश में उद्योग एवं रोजगार की अपार संभावनाएं : डॉ. गीता भारती

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशन एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती के मार्गदर्शन में शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली में तीन दिवसीय राज्योत्सव का समापन समारोह 3 नवम्बर 2025 को संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत वंदे मातरम् और मध्यप्रदेश गान से हुआ, तत्पश्चात अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई। प्राचार्य डॉ. गीता भारती ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारा प्रदेश देश में सर्वाधिक वन भूमि वाला राज्य है, जहाँ खनिज संपदा के अपार भंडार मौजूद हैं। यही कारण है कि मध्यप्रदेश कृषि, उद्योग एवं रोजगार के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है और विकसित मध्यप्रदेश की परिकल्पना को साकार रूप दे रहा है।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश के विकास में पर्यटन एवं संस्कृति की भूमिका विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें गगन द्विवेदी ने प्रथम, तेजस्वी चतुर्वेदी ने द्वितीय एवं प्रांशु गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को अतिथियों द्वारा प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. सुरेश तिवारी, राजकिशोर तिवारी, डॉ. वहीदुन्निशा, सुषमा शुक्ला, रागिनी तिवारी, गुलाब सिंह, संदीप कोल, मनीष सोनी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने किया एवं आभार प्रदर्शन डॉ. असलेंद्र जायसवाल द्वारा किया गया।

जंगली सुअर का शिकार, चार आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। वन परिक्षेत्र के नरवार बीट में जंगली सुअर का शिकार करने के आरोप में वन विभाग ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी एक महीने की पड़ताल के बाद हुई। आरोपियों ने महुआ के फूल में डीएपी और यूरिया मिलाकर सुअर का शिकार किया था। ग्राम नरवार निवासी गोलू सिंह को उसके घर से पकड़ा गया। पूछताछ में गोलू सिंह ने स्वीकार किया कि उसने अपने दोस्तों राहुल सिंह, हेमराज और विनोद के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया। उसने बताया कि जंगली सुअर ने महुआ फूल में मिलाए गए डीएपी और यूरिया का सेवन किया, जिससे उसकी मौत हो गई। दक्षिण वनमंडल की डीएफओ श्रद्धा पंद्रे ने मामले की गंभीरता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह कोई सामान्य मामला नहीं है। जंगली सुअर का शिकार करने में उपयोग किए गए खाद्य पदार्थों का मानव स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है। ऐसे मांस का सेवन करने से इंसानों की जान भी जा सकती है।

गिरफ्तारी के बाद, वन विभाग ने मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। डीएफओ पंद्रे ने बताया कि सभी चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। वन विभाग ने शिकार में उपयोग किए गए हथियारों को भी जब्त कर लिया है। उन्होंने वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रखने की बात कही।

आदिवासी छात्रावास पोंडी में क्रिएटिव लर्निंग, बच्चों को खेल-खेल में सिखा रहे शिक्षक

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। धौहनी विधानसभा के आदिवासी बालक छात्रावास पोंडी में शिक्षा, संस्कार और नवाचार का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंगलवार सुबह 11 बजे हुए इस आयोजन में धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समाजसेवी अनीता सिंह, जनपद सदस्य रुचि सिंह और संकुल प्राचार्य मनोज मिश्रा सहित कई शिक्षक भी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम केवल स्थापना दिवस का औपचारिक आयोजन नहीं था, बल्कि बच्चों को नई शिक्षण विधियों और मनोरंजन आधारित शिक्षा से जोड़ने का प्रयास था। इसमें क्रिएटिव लर्निंग तकनीक का उपयोग किया गया, जहां बच्चों को गीत-संगीत के माध्यम से सिखाया गया। कार्डबोर्ड, रंगीन पेन और फ्लैश कार्ड जैसी शिक्षण सामग्री का प्रयोग कर अक्षर ज्ञान और भाषा कौशल को विशेष तरीकों से समझाया गया। शिक्षकों ने बताया कि खेल-खेल में सीखना बच्चों की रुचि बढ़ाता है और उन्हें पढ़ाई के प्रति सकारात्मक बनाता है। कार्यक्रम में शिक्षक और छात्र के बीच संवाद, करुणा और समझ के महत्व पर भी जोर दिया गया, ताकि सीखने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी हो सके। विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सिर्फ शिक्षकों का ही नहीं, अभिभावकों का भी दायित्व है कि वे बच्चों को शिक्षा और संस्कार दोनों दें। उन्होंने ऐसे आयोजनों को समाज में शिक्षण के नए आयाम स्थापित करने वाला बताया। इसी अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोंडी में संकुल प्राचार्य मनोज मिश्रा के निर्देशन में स्नरू (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी) मेला भी आयोजित किया गया। इसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रेरक और नवाचारी उदाहरण साबित हुआ।

नवीन औद्योगिक क्षेत्र विकास संबंधी बैठक अब 10 को

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र सीधी ने जानकारी दी है कि ग्राम बाड़ीटोला (चौफाल कोठार), तहसील गोपदबनास में चयनित एवं हस्तांतरित भूमि पर नवीन औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाने के संबंध में कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित की जाने वाली बैठक, जो 03 नवम्बर को प्रस्तावित थी, अपरिहार्य कारणों से निरस्त की गई थी। उक्त बैठक अब 10 नवम्बर को दोपहर 1 बजे कलेक्टर सभागार, सीधी में आयोजित की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों से समय पर बैठक में उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है।

माइनिंग इंजीनियर्स कलेक्टर से बोले- प्राइवेट कंपनियों में नौकरी दिलाएं

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। माइनिंग इंजीनियरिंग छात्रों ने सोमवार को कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इसमें उन्होंने स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर देने की मांग की है। छात्रों का आरोप है कि जिले में कार्यरत निजी और आउटसोर्सिंग कंपनियां स्थानीय युवाओं को नौकरी नहीं दे रही हैं। छात्रों ने बताया कि वे सभी (डीजीएमएस) से प्रमाणित ओवरमैन, माइनिंग सरदार और सेकेंड क्लास मैनेजर सर्टिफिकेट धारक हैं। इसके बावजूद उन्हें नौकरी के अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनियों में नियुक्तियों की जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाती। आउटसोर्सिंग कंपनियां अधिकतर बिना प्रमाणपत्र वाले व्यक्तियों को सुपरवाइजरी पदों पर नियुक्त कर रही हैं, जबकि नियमों के अनुसार इन पदों पर केवल डीजीएमएस प्रमाणित उम्मीदवार ही पात्र करती हैं।

ऑडियो-फोटो वायरल, महिला ने खाया जहर; शिकायत पर कार्रवाई न होने से परेशान, ट्रामा सेंटर में एडमिट

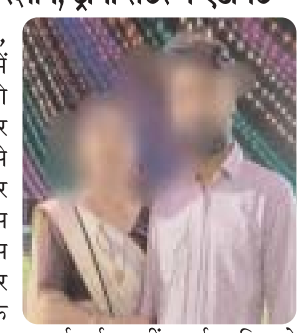

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में सोशल मीडिया पर ऑडियो और तस्वीरें वायरल होने और शिकायत पर कार्रवाई न होने से परेशान एक महिला ने जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। सोमवार को हुई इस घटना के बाद महिला को गंभीर हालत में जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है।यह घटना बरगमा थाना क्षेत्र की निवासी एक महिला से संबंधित है। महिला ने 29 अक्टूबर को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें उन्होंने अपने पति, ससुराल पक्ष और एक अन्य पुरुष पर सोशल मीडिया पर उनके ऑडियो और तस्वीरें वायरल करने का आरोप लगाया था। महिला ने अपनी शिकायत में तत्काल न्याय और कार्रवाई की मांग की थी। महिला का आरोप था कि वायरल सामग्री से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा प्रभावित हो रही थी। हालांकि, उनकी शिकायत पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे व्यथित होकर उन्होंने यह कदम उठाया।

यूपी में खाया जहर: इस मामले पर नगर पुलिस अधीक्षक पीएस परस्ते ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, महिला ने उत्तर प्रदेश क्षेत्र में जहर खाया है। इसलिए, अपराध वहीं दर्ज किया जाएगा। सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो और तस्वीरों की भी जांच की जा रही है, ताकि अपलोड करने वाले व्यक्ति और स्थान का पता लगाया जा सके। सिंगरौली पुलिस ने एक टीम भेजकर मामले की परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है।

बस स्टैंड पर यातायात पुलिस की कार्रवाई, बस मालिकों को खराब बसें हटाने और नियम पालन के निर्देश

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल शहर के बस स्टैंड परिसर में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए यातायात पुलिस ने सख्त कदम उठाए हैं। लंबे समय से खड़ी बसों को हटाने के लिए बस मालिकों को निर्देश दिए गए हैं। यातायात प्रभारी प्रियंका शर्मा ने बताया कि तीन बसें (एमपी18 पी3055, एमपी18 पी 1955 और एमपी18जिए6399) जो चलने लायक नहीं हैं, उन्हें तत्काल परिसर से हटाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, दो अन्य बसें (एमपी 18 टी 0256 और बिना नंबर की हीराकुंड बस) तथा दो एम्बुलेंस (एमपी18डीए़ 0477 और एमपी 18 डीए 1277) भी सड़क किनारे खड़ी पाई गई थीं, जिन्हें पहले ही नोटिस जारी किया गया था।

थाना यातायात में होगी बैठक: यातायात विभाग ने बस मालिकों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बसों को प्रस्थान से 30 मिनट पहले और आगमन के 20 मिनट बाद बस स्टैंड परिसर से हटाना अनिवार्य होगा।

7 शिव सैनिकों की जमानत याचिका खारिज, सिविल सर्जन को पोती थी कालिख

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मंगलवार शाम करीब 6:30 बजे जिला न्यायालय ने सिविल सर्जन को कालिख पोतने के मामले में शिव सैनिकों के खिलाफ चल रहे एक मामले में बड़ा फैसला सुनाया। मुख्य आरोपी विवेक पांडे सहित कुल सात आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी गई। इसके बाद सभी आरोपियों को जिला जेल पडरा भेज दिया गया। जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के वकीलों के बीच लगभग एक घंटे तक लंबी बहस चली। मुख्य आरोपी विवेक पांडे और छह अन्य आरोपियों की ओर से एडवोकेट रोहित मिश्रा और एडवोकेट राजेंद्र गुप्ता ने पैरवी की। वहीं, आरोपी मनीष सिंह बघेल का पक्ष एडवोकेट मनोज सिंह चौहान ने रखा।

गौशाला में लापरवाही से 4 गायों की मौत,दो माह से गोबर नहीं उठा, अधिकारी झाड़ रहे पल्ला; सरपंच के पास है जिम्मेदारी

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के जनपद पंचायत रामपुर नैकिन अंतर्गत ग्राम भीतरी स्थित गौशाला में गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां दो माह से गोबर नहीं उठाया गया, जिसके कारण अक्टूबर माह में कम से कम 4 गायों की मौत हो गई। शासन की लाखों की लागत से बनी यह गौशाला कुप्रबंधन और प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार है, जहां करीब 70 से 80 गायें बदहाली में जीवन जीने को मजबूर हैं। ग्रामीणों के अनुसार, गौशाला बनने के बाद भी कोई स्थाई कर्मचारी नियुक्त नहीं किया गया। कर्मचारियों और जनपद अधिकारियों की लापरवाही इतनी अधिक है कि पिछले दो महीनों से गौशाला परिसर से गोबर नहीं हटाया गया। परिसर में घुटने तक गोबर जमा होने के कारण गायें उसी अस्वच्छ वातावरण में रहने को विवश हैं। इस गंदगी के कारण 20 से अधिक गायों के पैरों में कीड़े पड़ गए हैं। मृत गायों के निस्तारण में भी घोर लापरवाही बरती जा रही है। उन्हें सही तरीके से दफनाने के बजाय पास स्थित पन्ना पहाड़ी जलप्रपात क्षेत्र में फेंक दिया जाता है। इससे जल स्रोत दूषित हो रहा है और आसपास रहने वाले ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने इस संबंध में जनप्रतिनिधियों, जनपद पंचायत और कलेक्टर तक से कई बार शिकायतें की हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

सरपंच के पास है संचालन: ग्रामीण विपिन और गौरव सिंह ने आरोप लगाया कि गौशाला का संचालन सरपंच सिया शरण कोल को सौंपा गया है, जो केवल शासन से मिलने वाली राशि का दुरुपयोग कर रहा है। गायों के लिए न तो चारा उपलब्ध है और न ही पानी की उचित व्यवस्था। गौरव सिंह ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन जल्द ही इस मामले में कार्रवाई नहीं करता है, तो ग्रामीण आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

हमने हैंडओवर कर दी, अब कर्मचारी जाने: ब इस संबंध में जनपद पंचायत सीईओ राजीव तिवारी से पूछा गया तो उन्होंने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए कहा कि 'गौशाला बनवाकर हैंडओवर कर दी गई है, अब कर्मचारियों की जिम्मेदारी है। शिकायत कलेक्टर से करें।'

फसल बर्बादी पर महिला किसान का बघेली गीत, वीडियो; प्रशासन ने दिए सर्वे के निर्देश, लोगों की मदद की मांग

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले में लगातार एक सप्ताह से हो रही भारी बारिश ने किसानों की कमर तोड़ दी है। खेतों में पानी भर जाने से धान की खड़ी फसल सड़ने लगी है, जिससे किसानों की साल भर की मेहनत बर्बाद हो गई है। इस बीच, सोशल मीडिया पर एक महिला किसान का बघेली गीत सामने आया है, जिसमें वह अपनी पीड़ा बयां कर रही हैं।

गीत (बघेली में - हूबहू)

'पानी भरिगा, पथरा पड़िगा, सरिगई सलगी धान, गरीबा वनका मरही होइगा।

लगावत के बेरी खादीं महंगी हुई गा रही, और अब चावल महंगा होइ जई रे। अब गरीबावन का मरही होइगा रे।'

बर्बादी से होगी किसान की मौत: महिला किसान गीत में कहती हैं कि इस बर्बादी से गरीब किसानों की मौत हो जाएगी, क्योंकि चावल भी महंगा हो जाएगा और खाने के लाले पड़ जाएंगे। यह वीडियो लोगों द्वारा खूब साझा किया जा रहा है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा आधिकारिक रूप से बोली का दर्जा प्राप्त बघेली में गाया गया यह गीत किसानों की वास्तविक व्यथा को सामने लाता है। वीडियो में महिला किसान अपने साथियों के साथ खेत में भीगी हुई धान को समेटने की कोशिश करती दिख रही हैं। गीत के माध्यम से वह बता रही हैं कि इस साल तेज बारिश और ओलावृष्टि ने फसल को तबाह कर दिया है। बीज, खाद और मजदूरी के दाम बढ़ने से इनपुट कॉस्ट पहले से ही बहुत ज्यादा थी, जिससे किसान देर से बुआई कर पाए। अब जब फसल तैयार हुई तो पानी में डूबकर सड़ने लगी है।

सेमरिया क्षेत्र का है वीडियो: यह वीडियो सीधी जिले के किस गांव का है, इसकी सटीक जानकारी नहीं है, लेकिन समाजसेवी प्रभात वर्मा ने बताया कि यह सेमरिया क्षेत्र का है। समाजसेवी एवं पूर्व जनपद उपाध्यक्ष प्रभात वर्मा ने इस वीडियो को किसानों की जमीनी हकीकत बताते हुए प्रशासन से तत्काल सर्वे कराकर मुआवजा देने की मांग की है, ताकि किसानों की पीड़ा कम हो सके।

सरकार राहत राशि देगी: सीधी कलेक्टर स्वरोचिश सोमवंशी ने कहा कि प्रशासन की यह नैतिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी है कि प्रभावित किसानों की मदद की जाए।

83 स्कूलों में संचालित हैं वोकेशनल कोर्स, 14 हजार से अधिक विद्यार्थी ले रहे हैं व्यावसायिक शिक्षा

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। एपीसी रमसा डॉ. सुजीत कुमार मिश्र ने जानकारी देकर बताया कि सीधी जिले के सभी पांचों विकासखण्डों में कुल 83 विद्यालयों में नौ ट्रेड के अंतर्गत व्यावसायिक शिक्षा संचालित की जा रही है। इन विद्यालयों में कुल 14,463 विद्यार्थी व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें 6,508 बालक एवं 7,955 बालिकाएं शामिल हैं।

इन ट्रेडों में कृषि में 2,344, ब्यूटी एंड वेलनेस में 2,321, इलेक्ट्रॉनिक एवं हार्डवेयर में 1,637, हेल्थ केयर में 915, आईटी में 5,436, फिजिकल एजुकेशन में 385, सिक्योरिटी में 153, सीविंग मशीन (अपैरल) में 1,146 तथा प्लम्बिंग में 126 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। अकेले आईटी क्षेत्र में 5,436 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। वहीं बालिकाएं भी व्यावसायिक शिक्षा में पीछे नहीं हैं। ब्यूटी एंड वेलनेस में 2,321 छात्राएं स्किल प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

वोकेशनल विद्यालयों में सभी ट्रेडों के लिए अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की गई है, जो सैद्धांतिक अध्ययन के साथ प्रायोगिक प्रशिक्षण, इंडस्ट्री विजिट, गेस्ट लेक्चर और भविष्य के लिए जॉब रोल संबंधी कार्य कर रहे हैं। इन शिक्षकों का जिला स्तर पर उन्मुखीकरण (ओरिएंटेशन) किया गया है तथा 16 अक्टूबर को जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह के निर्देशन में प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में एडीपीसी प्रवीण शुक्ल ने अतिथि शिक्षकों को शिक्षक दैनंदिनी तैयार करने एवं प्रत्येक माह की 2 तारीख तक उपस्थिति विमर्श पोर्टल में लॉक करने के निर्देश दिए। डॉ. सुजीत कुमार मिश्र ने कहा कि जैसे-जैसे दुनिया आगे बढ़ रही है, वैसे ही शिक्षा के स्वरूप में भी बदलाव आ रहा है। पहले अभिभावक अपने बच्चों को डॉक्टर या इंजीनियर बनाना ही सफलता मानते थे, परंतु अब समय बदल चुका है। आज रोजगार और सफलता का आधार कौशल (स्किल) है। प्रशिक्षण और कुशलता हमारे करियर रूपी इंजन के ईंधन हैं कृ इनके बिना जीवन की गाड़ी नहीं चल सकती। व्यावसायिक शिक्षा का यही उद्देश्य है कि प्रत्येक विद्यार्थी आत्मनिर्भर और सक्षम बन सके।

नाम सुधार सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै उदित सिंह बघेल पिता बृजेन्द्र सिंह उम्र 24 वर्ष ग्राम व पोस्ट हरदोली थाना ड़भौरा तहसील जवा जिला रीवा (म.प्र.) का मूल निवासी हूँ यह कि मेरे कक्षा 10वीं हाई स्कूल के अंकसूची में मेरे पिता का नाम BRAJENDRA SINGH त्रृटि वश दर्ज हो गया है जो कि गलत है जबकि मेरे समस्त दस्तावेजो मे मेरे पिता का नाम BRIJENDRA SINGH दर्ज है जो कि सत्य है।

अतः आज दिनांक से मेरे कक्षा 10वीं हाई स्कूल के अंकसूची में मेरे पिता का नाम BRIJENDRA SINGH लिखा, पढ़ा व जाना जाए।

लड़कियों ने किया कमाल, विश्व कप जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया

संपादकीय

बीसीसीआइ ने 2006 में महिला क्रिकेट की कमान अपने हाथ में ली थी। यदि उसने दो दशक के अंदर ही महिला क्रिकेटरों को शिखर पर पहुंचा दिया तो इसका कारण है उनके प्रोत्साहन के लिए उनकी पुरस्कार राशि पुरुषों के समान करना, उन्हें उनके जैसे संसाधन उपलब्ध कराना और महिला प्रीमियर लीग शुरू करना।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार वनडे विश्व कप जीत कर केवल इतिहास ही नहीं रचा, बल्कि अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने के साथ देश की लाखों लड़कियों के लिए खेलों और अन्य क्षेत्रों में संभावनाओं के द्वार खोलने का भी काम किया। इस जीत ने फिर यह सिद्ध किया कि लड़कियां लड़कों की ही तरह हर क्षेत्र में चुनौतियों से पार पा सकती हैं और अपने हौसले से देश-दुनिया को चमत्कृत कर सकती हैं।

यह जीत लड़कियों के प्रति हमारे पुरुष प्रधान समाज के दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव लाने वाली सिद्ध होनी चाहिए। यह बदलाव उन्हें आगे बढ़ने और खुद को साबित करने के मौके तो देगा ही, भारतीय समाज में खेलों की महत्ता भी बढ़ाएगा। ऐसा होना भी चाहिए, क्योंकि आज के युग में खेल के मैदान में अर्जित की जाने वाली सफलताएं देश विशेष की प्रगति का सूचक हैं।

महिला विश्व कप की जीत इसलिए एक बड़ी सफलता है, क्योंकि इसके पहले किसी अंतरराष्ट्रीय खेल में भारतीय लड़कियों की टीम ने कोई खिताब नहीं जीता था। यह जीत इसलिए भी विशेष है, क्योंकि महिला विश्व कप क्रिकेट में आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड का दबदबा था।

इसके पहले के सभी महिला विश्व कप क्रिकेट आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के नाम रहे। एक तरह से भारतीय टीम ने अपनी जीत से विकासशील देशों की महिला क्रिकेट टीमों को भी प्रेरणा प्रदान करने का काम किया।

महिला वनडे विश्व कप जीत की प्रतीक्षा किस बेसब्री से की जा रही थी, इसका पता फाइनल मुकाबले को लेकर बने माहौल से भी चलता है और स्टेडियम में उमड़ी दर्शकों की भीड़ से भी। यह माहौल और भीड़ इस कारण थी कि खेल प्रेमियों को कप्तान हरमनप्रीत कौर और उनकी उत्साही टोली पर भरोसा था।

इस भरोसे का आधार उनके खेल में आए सुधार के साथ यह भी था कि भारतीय महिला टीम दो बार वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंच चुकी थी। यह स्वाभाविक है कि इस जीत को 1983 के वनडे विश्प कप में कपिल देव के नेतृत्व वाली टीम की ओर से हासिल की गई खिताबी जीत के समकक्ष बताया जा रहा है।

उस जीत ने भारतीय क्रिकेट का चेहरा बदल दिया था। महिला क्रिकेट के साथ ऐसा होना और आसान है, क्योंकि तब के मुकाबले आज भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड आर्थिक रूप से कहीं अधिक सक्षम है। वास्तव में क्रिकेट बोर्ड की इस आर्थिक सक्षमता ने ही महिला क्रिकेटरों के विश्व विजयी अभियान को सुगम बनाया।

(विचार मंथन) अमेरिका के बंकिम ब्रह्मभट्ट घोटाले के गुजराती तार

सनत जैन

घोटालों की दुनिया में एक नया नाम जुड़ गया है, बंकिम ब्रह्मभट्ट। यह वही गुजराती कारोबारी है, जिसने अमेरिका में बैठकर 44 हजार करोड़ रुपये से अधिक का घोटाला कर दिया है। 1989 में भारत से अमेरिका गया यह शख्स तीन दशकों में अमेरिका का सम्मानित बिजनेसमैन बन गया। अमेरिका में इसकी बड़ी साफ-सुथरी छवि थी। इसने दस्तावेजों में हेरफेर करके अमेरिका में हजारों करोड़ की धोखाधड़ी को अंजाम दिया है। अमेरिका जैसे देश में रहते हुए कई देशों तक में यह धोखाधड़ी करता रहा। खास बात यह है कि अमेरिका इसकी धोखाधड़ी और गड़बड़ी को नहीं पकड़ पाया। अब परतें खुलीं, तो सामने आया, उसकी कंपनी की चमक पूरी तरह कागज़ी और फर्जी दस्तावेजों पर टिकी हुई थी। उसने हजारों नकली इनवॉइस बनवाकर कंपनियों के नाम पर फर्जी ईमेल और फोन नंबर तक गढ़ लिए, ताकि बैंक और फाइनेंस कंपनियों को उसके द्वारा की जा रही धोखाधड़ी और गड़बड़ी का पता ना लगे। उसका कारोबार अमेरिका में कागजों पर फलफूल रहा था। कंपनी के इसी धोखे में आकर अमेरिकी फाइनेंस कंपनी से उसने लगभग 500 मिलियन डॉलर का कर्ज़ ले लिया। बाद में कंपनी को दिवालिया घोषित कर दिया। कंपनी दिवालिया घोषित कर सारी गड़बड़ी पर पलीता लगाने का जो प्रयास किया गया था, वह धीरे-धीरे खुलकर सामने आ गया है। यह मामला सिर्फ एक व्यक्ति के अपराध की कहानी नहीं है, बल्कि उस सोच का आईना भी है, जो धन को ही सफलता का मानदंड बनाता है। धन का यह भ्रम नैतिकता को पीछे छोड़, अनैतिकता को ही सत्य बना देती है। गुजराती उद्योगपति बंकिम का यह तरीका नया नहीं था। भारत में हर्षद मेहता का शेयर बाजार घोटाला सभी को याद होना चाहिए। हर्षद मेहता के घोटाले ने जिस गड़बड़ी की नींव रखी थी। उसी की शाखाएं आज दुनिया के सभी देशों में फैली हुई नजर आ रही हैं। भारत में नीरव मोदी, विजय माल्या और कई अन्य ÷कॉरपोरेट संतों÷ ने यही फार्मूला अपनाया। किसी ने बैंकों को गुमराह किया, किसी ने अपने शेयरों का मूल्य झूठा बढ़ाकर कर्ज़ लिया, और किसी ने फर्जी कंपनियों के जरिये पैसा इधर-उधर घुमाया।

अडानी पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट में जो आरोप लगे, वे भी बंकिम की कार्यशैली से मेल खाते हैं। अपनी संपत्ति को कागजों में बढ़ा-चढाकर दिखाना, विदेशी शेल कंपनियों के माध्यम से पूंजी का खेल खेलना, और अंततः वित्तीय संस्थाओं को गुमराह कर धोखाधड़ी करके लूटना। फर्क बस इतना है, कोई फरार है, कोई अब भी देश में रहकर अपने आपको सत्ता की छांव में सुरक्षित महसूस कर रहा है।

इन घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि चाहे मंच अमेरिका का हो या भारत का, धन और सत्ता का गठजोड़ हर जगह एक जैसा काम करता है। नियामक संस्थाएं अक्सर या तो देर से जागती हैं, या फिर जानबूझकर आंखें मूंद लेती हैं। बैंक और वित्तीय संस्थान जनता के भरोसे से चलते हैं। जब बड़े-बड़े पूंजीपति और राजनेता इन्हें लूटते हैं तो नुकसान भरपाई आमजनता के जेब से होती है। वही विश्वासघात के शिकार होते हैं। राजतंत्र और कॉरपोरेट सेवाओं के शुल्क बढ़ाकर, सरकार टैक्स बढ़ाकर आम जनता से घाटे की भरपाई करती है। अब वक्त आ गया है, भारत और दुनिया के देश इन ÷कॉरपोरेट घोटालों÷ से सबक लें। वित्तीय पारदर्शिता, जवाबदेही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शेल कंपनियों की निगरानी के बिना यह सिलसिला रुकने वाला नहीं है। बंकिम ब्रह्मभट्ट का यह मामला सिर्फ अमेरिका में हुए नुकसान और आर्थिक अपराध की चेतावनी नहीं है। यह भारत के लिए भी एक दर्पण है। जिसमें झांकने की हिम्मत हमारी व्यवस्था को करनी ही होगी। पिछले तीन दशक में जिस तरह से गुजरात के लोगों ने आर्थिक क्षेत्र में भारत और दुनिया के सभी देशों में अपनी पहचान बनाई थी अब वही पहचान गुजरातियों और भारत के लिए शर्म का कारण भी बन रही है। गुजरात के लोग हमेशा से व्यापार और व्यवसाय के लिए सारी दुनिया में जाने जाते थे। महात्मा गांधी और सरदार पटेल जैसे लोगों ने सारी दुनिया में गुजरातियों का सर गर्व से ऊंचा किया था। अब वही गुजरात के लोगों के कारण भारत की एक ऐसी पहचान बन रही है, जो भारत को भी नुकसान पहुंचा रही है।

धर्म-स्थलों के हादसें- आखिर कब जागेगा तंत्र

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में मची भगदड़ में हुई दर्दनाक मौतों ने एक बार फिर हमारे प्रशासनिक ढांचे, सरकारों की संवेदनशीलता और तंत्र की जवाबदेही पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। हर बार ऐसी त्रासदी होती है, कुछ जानें जाती हैं, कुछ परिवार उजड़ते हैं, कुछ आंसू बहते हैं– फिर वही रटंत बयान, 卐जांच के आदेश दे दिए गए हैं卐, 卐दोषियों पर कार्रवाई होगी卐, 卐पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा卐 और फिर सब कुछ धूल में मिल जाता है। सवाल यह है कि आखिर हम कब तक इस लापरवाही, इस प्रशासनिक नींद, इस जानलेवा कोताही और इस संवेदनहीन व्यवस्था का शिकार बने रहेंगे किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा।

ललित गर्ग /ईएमएस)

ऐसी त्रासद, विडम्बनापूर्ण एवं दुखद घटनाओं के लिये मन्दिर प्रशासन और सरकारी प्रशासन जिम्मेदार है, एक बार फिर भीड़ प्रबंधन की नाकामी श्रद्धालुओं के लिये मौत का मातम बनी, चीख, पुकार और दर्द का मंजर बना। इस घटना के बाद जिस तरह से बयान दिए जा रहे हैं, वह पीड़ितों के जले पर नमक छिड़कने जैसा है।

धार्मिक स्थल आस्था के केंद्र होते हैं, ऊर्जा के केन्द्र होते हैं, जहां लोग शांति और श्रद्धा पाने आते हैं, लेकिन यह कैसी विडंबना है कि इन पवित्र स्थलों पर भी लोगों को असमय मृत्यु का सामना करना पड़ता है। श्रीकाकुलम में जो कुछ हुआ, वह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि एक प्रणालीगत विफलता है। भीड़ प्रबंधन के नाम पर प्रशासन हर बार हाथ खड़े कर देता है। न पर्याप्त बैरिकेडिंग, न एंट्री-एग्जिट का संतुलन, न भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त पुलिसबल या वॉलंटियर, न मेडिकल सहायता का इंतजाम। मन्दिरों, त्योहारों और विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के बावजूद तैयारी का नामोनिशान नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। श्रीकाकुलम में वेंकटेश्वर स्वामी का यह मंदिर कुछ महीने पहले ही खोला गया था और राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि जिले के अधिकारियों को इसके बारे में जानकारी नहीं थी। हालांकि इससे यह जवाबदेही खत्म नहीं हो जाती कि एक धार्मिक स्थल पर क्षमता से कई गुना ज्यादा लोग जुटते चले गए और फिर भी स्थानीय पुलिस-प्रशासन को भनक कैसे नहीं लगी।

सरकार और मंदिर प्रबंधन की बातों से लग रहा है कि दोनों पक्ष घटना से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। मंदिर का निर्माण ओडिशा के जिस शख्स हरि मुकुंद पांडा ने कराया है, उनका कहना है कि सीढ़ियों की रेलिंग टूटने से हादसा हुआ। लेकिन, यही वजह तो काफी नहीं। भगदड़ मचने के बाद श्रद्धालुओं को बाहर जाने का रास्ता नहीं मिल पाया, वह व्यवस्थापकों की लापरवाही का नतीजा है। मंदिर में आने-जाने का एक ही रास्ता था और जब भीड़ अनुमान से अधिक बढ़ती चली गई, तब भी पुलिस-प्रशासन को सूचित नहीं किया गया। इस पर पांडा का कहना कि इस घटना के लिए कोई जिम्मेदार नहीं, यह एक्ट ऑफ गॉड है- इक्कीसवीं सदी के वैज्ञानिक युग में इस तरह की सोच बेहद शर्मनाक है। यह उन लोगों की पीड़ा का मजाक उड़ाने जैसा है, जिन्होंने अपनों को खोया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहां भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। श्रीकाकुलम के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम जनता संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की आवश्यकता समझ रही है। भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला कायम रहने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी भी होती है, क्योंकि इन घटनाओं से यही संदेश जाता है कि भारत का शासन-प्रशासन भगदड़ रोकने में पूरी तरह नाकाम है। सार्वजनिक स्थलों पर भगदड़ की घटनाएं दुनिया के अन्य देशों में भी होती है, लेकिन उतनी नहीं जितनी अपने देश में होती ही रहती हैं।

यह कोई पहली घटना नहीं है। अतीत में प्रयागराज कुंभ, अयोध्या, हरिद्वार में प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर, सबरीमला, वैष्णो देवी, पुलकेश्वरम, देवरी मंदिर जैसे अनेक स्थलों पर भी ऐसी भगदड़ें हो चुकी हैं। चिंता की बात यह है कि पिछले हादसों से कोई सबक सीखने को तैयार नहीं है। केवल आंध्र में ही इस साल यह तीसरी बड़ी दुर्घटना है। जनवरी में तिरुपति और अप्रैल में विशाखापत्तनम के सिम्हाचलम में भगदड़ से कई मौतें हुई थीं। पूरे देश में इस साल अभी तक भगदड़ की विभिन्न घटनाओं में 114 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। हर बार सरकारें ÷सीख लेने÷ की बात करती हैं, लेकिन हकीकत यह है कि सीखने की क्षमता हमारे तंत्र से जैसे गायब हो चुकी है। धार्मिक आयोजनों की भीड़ का अनुमान लगाना मुश्किल नहीं होता। आज तकनीक का युग है सीसीटीवी, ड्रोन, डिजिटल टिकटिंग, भीड़-सेंसरिंग सिस्टम जैसी आधुनिक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। परंतु इनका उपयोग नहीं किया जाता क्योंकि धर्म और आस्था के नाम पर ÷प्रबंधन÷ को हमेशा भाग्य पर छोड़ दिया जाता है। जब तक कोई हादसा न हो, तब तक कोई अधिकारी मंदिर परिसर में झांकने तक नहीं आता। और जब हादसा हो जाता है, तब ÷प्रेस कॉन्फ्रेंस÷ और ÷मुआवजा÷ की राजनीति शुरू हो जाती है। यह भी एक सामाजिक प्रश्न है कि क्या हमारी आस्था इतनी अंधी हो चुकी है कि हम सुरक्षा नियमों की अनदेखी कर देते हैं क्या धार्मिक आयोजनों में अनुशासन और व्यवस्था का पालन करना हमारी श्रद्धा को कम कर देगा श्रद्धा के नाम पर अराजकता, प्रशासनिक ढिलाई और अव्यवस्था का यह घातक संगम अब रुकना चाहिए। सरकारों को चाहिए कि वे भीड़ प्रबंधन को एक राष्ट्रीय नीति का हिस्सा बनाएं। हर बड़े धार्मिक स्थल पर स्थायी भीड़ नियंत्रण तंत्र विकसित किया जाए, जिसमें प्रवेश और निकास मार्ग स्पष्ट हों, आपातकालीन निकास गेट हों, प्रशिक्षित स्वयंसेवक हों, मेडिकल टीम और एम्बुलेंस की व्यवस्था हो। स्थानीय प्रशासन को नियमित तौर पर सुरक्षा मॉक ड्रिल करनी चाहिए।

आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। आज जरूरत है केवल मुआवजे और जांच की नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने की। कौन अधिकारी लापरवाह था, किस विभाग ने सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी की, और क्यों भीड़ को अनियंत्रित छोड़ा गया- इन प्रश्नों का उत्तर दिए बिना जांच बेईमानी है। श्रीकाकुलम की यह त्रासदी एक और चेतावनी है। अगर अब भी सरकारें नहीं जागीं, तो आने वाले दिनों में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी, क्योंकि धार्मिक आस्था बढ़ रही है, पर प्रबंधन की मानसिकता वही पुरानी बनी हुई है। भीड़ केवल संख्या नहीं होती, वह जीवन है, वह परिवार है, वह उम्मीद है और जब वह कुचल जाती है, तो यह केवल एक हादसा नहीं, शासन की असफलता एवं सरकारी कोताही की द्योतक है। तमिलनाडु के करूर में तमिल सिनेमा के सुपरस्टार थलपति विजय की रैली में हुआ हादसा हो या फिर श्रीकाकुलम की घटना - कुछ गलतियां बार-बार दोहराई जा रही हैं। हादसों के बाद सबक लेने के बजाय जिम्मेदार लोग और संस्थाएं बचने का रास्ता तलाशने लगते हैं। सरकारों को समझना होगा कि भीड़ प्रबंधन भारत जैसे देश की जरूरत है। मुआवजे की घोषणा करके मामले को हल्का किया जा सकता है, लेकिन जवाबदेही तय हो और लापरवाही पर सजा मिले। क्या यह पुकार अब भी सत्ता के कानों तक नहीं पहुंचेगी।

गढ़मुकतेश्वर जहां गंगा में दीपदान से मिल जाता है मृतकों को मोक्ष!

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गढ़ मुक्तेश्वर वह पौराणिक तीर्थ है जहां शिव के गण जय विजय को मुक्ति मिली थी यहां कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाला मेला महाभारत कालीन अतीत से जुड़ा है।भारत की सनातन संस्कृति के लिए यह मेला और यहां का पवित्र गंगा स्नान देश और दुनिया के पर्यटन के लिए भी महत्वपूर्ण स्थान बना है।इस मौके पर दिवंगत मृतकों की स्मृति में दीपदान करने से उनकी आत्मा को शान्ति मिल जाती है ऐसी मान्यता है। लाखों लोग यहां अपने परिजनों की स्मृति में दीपदान करते हैं।

मनोज कुमार अग्रवाल

आज इस मेले का स्वरूप मिनीकुम्भ बन चुका है दस किलोमीटर क्षेत्रफल से अधिक में फैला यह मेला देश दुनिया के आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। कार्तिक गंगा मेला केवल स्नान करने तक ही सीमित नहीं है। कार्तिक पूर्णिमा मेला एकता, भाईचारे, सांस्कृतिक विरासत और एकता का प्रतीक है। यहां से देश के विकास को नई दिशा मिलती है। प्रदेश के मानचित्र पर आने के बाद मेला विभिन्न क्षेत्रों में अपनी साख बढ़ा रहा है। अब मेले से प्रदेश को विकास और स्वदेशी का मूल-मंत्र मिल रहा है।

दिल्ली से 100 किमी दूर और राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 24 से लगे, गंगा के निचले तट पर स्थित गढ़ मुक्तेश्वर में कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित होने वाला यह मेला यहां अनादिकाल से आ रहा है। जबकि, महाभारत युद्ध के बाद इस स्थान का महत्व और भी अधिक बढ़ गया। मेले का अतीत पांडवों और भगवान श्रीकृष्ण से भी जुड़ा है बताया जाता है कि महाभारत युद्ध के बाद गढ़ मुक्तेश्वर के गंगा तट पर भगवान श्रीकृष्ण के निर्देश पर सम्राट युधिष्ठिर ने कौरवों और पांडवों की सेना के विशाल वीर योद्धाओं और सैनिकों की आत्मा की शांति के लिए उनका तर्पण किया था। एक ओर पौराणिक साक्ष्य और तथ्य गढ़ मुक्तेश्वर के एतिहासिक

सांस्कृतिक अध्यात्मिक महत्व को बयान करते हैं, वहीं आज के इतिहासकार और विद्वान भी मानते हैं कि यह स्थान द्वापर युग में भी सबसे पहले प्रसिद्ध हुआ था। क्योंकि शिवपुराण के अनुसार इस गढ़मुक्तेश्वर का प्राचीन नाम शिववल्लभ हुआ, अर्थात जो भगवान शिव का ही एक प्रिय नाम है।पुराणों में गढ़ मुक्तेश्वर की महिमा काशी के समान बताया गया है, क्योंकि गढ़ मुक्तेश्वर में ही भगवान शिव ने अपनी जय और विजय नाम के गणों को महर्षि दुर्वासा के द्वारा पिशाच योनि के श्राप से मुक्ति दिलाई थी। जिसके बाद इस स्थान का नाम गणमुक्तेश्वर यानि कि गणों की मुक्ति करने वाले भगवान शिव के नाम से पड़ा था। गणमुक्तेश्वर का वह प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर आज भी उस पौराणिक घटना का साक्षी है।

त्रेता युग में भी गढ़मुकतेश्वर की महिमा का वर्णन है शिव पुराण के अनुसार इसी गढ़ मुक्तेश्वर के क्षेत्र में गंगा नदी के किनारे ही एक घना वन था, जिसे खाण्डव वन के नाम से जाना जाता था। इसी खांडवी वन में भगवान परशुराम ने ही शिवलिंग की स्थापना की थी। त्रेता युग का यही खांडववन, द्वापर युग में यानि महाभारत के काल में खांडव वन के नाम से अस्तित्व में आया और यही खांडव वन बाद में खांडवप्रस्थ कहलाया और उसके बाद इंद्रप्रथ बना। यही खाण्डव वन हस्तिनापुर राज्य के अधीन था इसलिए पांडवों ने खांडव वन में अपना नया राज्य स्थापित किया था।सम्राट् युधिष्ठिर के निर्णय के बाद भगवान परशुराम द्वारा स्थापित शिववर्षपुर यानी गढ़ मुक्तेश्वर के मुक्तेश्वर महादेव मंदिर में पूजा और यज्ञ आदि करके मृतकों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण किया गया था।

सम्राट् युधिष्ठिर ने जो निर्णय लिया उसके बाद जो तीर्थयात्रा निकली वह कार्तिक शुक्ल अष्टमी का ही दिन था। इसी दिन गौ पूजन करके गढ़ मुक्तेश्वर के गंगा तट पर गंगा मैदान में सम्राट युधिष्ठिर द्वारा धार्मिक संस्कार करके पिंडदान किया गया। यह देवोत्थान एकादशी थी। महाभारत युद्ध में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए यहां एकादशी से चतुर्दशी यज्ञ किया था, और इसके अगले दिन अर्थात पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करके कथा का आयोजन किया गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की है कि इस साल ऐतिहासिक गढ़मुक्तेश्वर मेले को मिनी-कुंभ के रूप में आयोजित किया जाएगा। यह मेला उत्तर प्रदेश की गहरी आस्था, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक विरासत का जीता-जागता प्रतीक है। यह मेला 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक चलेगा।

गंगा की कल कल करती पावन लहरों के किनारे दस किलोमीटर के क्षेत्रफल में बसा तंबुओं का अस्थायी नगर और गंगा में दीपदान से तैरते जलते दीपक एक ऐसी मनोहारी छटा दर्शाते हैं जिस को एक बार देख कर ही ह्रदय आस्था और पवित्रता से आह्लादित हो जाता है। राज्य सरकार का लक्ष्य इसे पूरी श्रद्धा, अनुशासन और स्वच्छता के साथ आयोजित करना है, ताकि हर श्रद्धालु शांति और दिव्य आशीर्वाद लेकर लौटे। इस मेले में करीब 50 लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। रविवार को मुख्यमंत्री ने हापुड़ जिले के गढ़मुक्तेश्वर में होने वाले वार्षिक कार्तिक पूर्णिमा मेले और अमरोहा के तिगरी मेले की तैयारियों की समीक्षा की। मेले की जगहों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद, उन्होंने एक समीक्षा बैठक की और संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा के किनारे करीब 40 से 45 लाख श्रद्धालु पवित्र स्नान करने और दीपदान करने आते हैं। मेले का मुख्य स्नान 5नवंबर को है। इस दिन तीस से पचास लाख श्रध्दालुओं के पहुंचने का अनुमान है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर कीमत पर मेला किसी अप्रिय घटना से रहित संपन्न कराने की जिम्मेदारी प्रशासन पर सौंपी है। योगी स्वयं मोनिटरिंग कर रहे हैं।

जिंदा लोगों को मरा दिखाकर लाखों रुपए निकाले

सचिव और सीईओ पर गबन के आरोप, सतना में संबल योजना में फर्जीवाड़े की शिकायत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले की नागौद जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत रहिकवारा में संबल योजना में बड़े भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। आरोप है कि जीवित व्यक्तियों को मृत घोषित कर अंत्येष्टि और अनुग्रह राशि का लाखों रुपए का गबन किया गया है। इस मामले में ग्राम पंचायत के तत्कालीन सचिव, पीसीओ और जनपद पंचायत के सीईओ की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है। यह धांधली श्रमिक परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने वाली संबल योजना के तहत हुई है। शिकायत के अनुसार, अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी सहायता राशि का दुरुपयोग किया गया। इस संबंध में जनसुनवाई के माध्यम से कलेक्टर को शिकायत प्राप्त हुई है।

मरा बताया, अंत्येष्टि और अनुग्रह राशि निकाली: पहला मामला रहिकवारा पंचायत के सज्जन चौधरी (आईडी क्रमांक 132910955) से संबंधित है। उन्हें मृत दर्शाकर 10 जनवरी 2021 को 5,000 रुपए की अंत्येष्टि राशि और 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि निकाली गई, जबकि सज्जन चौधरी आज भी जीवित हैं।

इसी तरह, गनपत कुशवाहा (आईडी क्रमांक 103975461) को भी मृत घोषित कर 14 जनवरी 2020 को 5,000 रुपए की अंत्येष्टि राशि और 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि आहरित कर ली गई। यह राशि पंचायत के सचिव, पीसीओ और सीईओ की देखरेख में निकाली गई बताई जा रही है।

तीसरा मामला रामचरण चौधरी (आईडी क्रमांक 132785947) का है, जिनकी वास्तविक मृत्यु 12 अप्रैल 2020 को हुई थी। हालांकि, उनके परिवार को मिलने वाली सहायता राशि उन्हें न देकर किसी अन्य व्यक्ति के खाते में भेज दी गई।

ग्रामीणों ने जांच की मांग की: ग्रामवासियों ने इस पूरे प्रकरण को सरकारी धन की हेराफेरी बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत रहिकवारा के जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलीभगत कर योजना की राशि का गबन किया है। ग्रामीणों ने इस मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और अपराध पंजीबद्ध करने की मांग की है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि जनसुनवाई में शिकायत प्राप्त हुई है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जांच के बाद गलती मिलने पर अधिकारियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि अन्य जगहों से भी ऐसे मामले सामने आते हैं, तो उनकी भी जांच की जाएगी।

महाराजा अग्रसेन जी का अपमान करने पर अग्रवाल समाज ने की घोर निंदा, अमित बघेल पर की रासुका लगाये जाने की मांग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रभु श्री राम की 34वीं पीढ़ी के वंशज, समाजवाद के प्रणेता एवं अग्रकुल के आराध्य श्री श्री 1008 श्री महाराजा अग्रसेन जी के लिये की गई अमर्यादित एवं आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले जुहार छत्तीसगढ़ पार्टी के अमित बघेल के विरुद्ध अपराध दुर्ज करने हेतु अग्रवाल समाज एवं सर्वसमाज ने रैली निकालकर राष्ट्रपति महोदया एवं जिला कलेक्टर महोदय के नाम ज्ञापन सौपा था।

समाज के प्रवक्ता सौरभ अग्रवाल (रम्पू) ने बताया किया अमित बघेल (जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी प्रमुख) द्वारा दिनांक 20.10.2025 को मीडिया में दिए गए एक बयान में अग्रवाल समाज के प्रवर्तक, अग्रकुल भूषण आराध्य, भगवान श्रीराम के वंशज, समरसता के प्रणेता श्री श्री 1008 महाराजा श्री अग्रसेन जी के प्रति एवं अग्रवाल समाज के विरुद्ध आपत्तिजनक शब्दों का उपयोग करते हुए वक्तव्य दिया था, साथ ही सिंधी समाज के

आराध्य देवता वरुण देव के अवतार झूलेलाल के विरुद्ध भी अमर्यादित एवं अभद्र शब्दों का प्रयोग करते हुए, महापुरुष स्वर्गीय डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी एवं स्वर्गीय दीनदयाल उपाध्याय के विरुद्ध भी आपत्ति जनक टिप्पणी की जिसे सुनकर देश के लाखों लोगों की धार्मिक सामाजिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है।

यह सर्वविदित है कि अग्रवाल समाज एक सभ्य व्यापारी समाज है जो अपने धर्म को बचाने के लिए अपने पुरुषार्थ के दम पर आज स्थापित समाज है। जिस प्रकार अमित बघेल द्वारा देश के महापुरुषों एवं हमारे आराध्य के विरुद्ध जानबूझकर अपमानजनक बयानबाजी कर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाया है इससे ऐसा प्रतीत होता है कि देश में अशांति उत्पन्न करने और सामाजिक वैमनस्यता बढ़ाने का प्रयास किया गया है। अग्रवाल समाज, सिंधी समाज, विन्ध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स, जैन समाज एवं सर्व समाज के लोगों ने एकजुट होकर अमित बघेल के विरुद्ध विधिसम्मत अपराध दर्ज कर शीघ्र कठोर कानूनी कार्यवाही करते हुये रासुका लगाने की।

प्रॉपर्टी विवाद में बहू ने ससुर को पीटा, दुकान में तोड़फोड़ की; ससुर बोले- अपने नाम पर प्रॉपर्टी कराना चाहती है

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राजेंद्र नगर इलाके में प्रॉपर्टी विवाद को लेकर एक बहू ने अपने ससुर के साथ मारपीट की और उनकी सैलून दुकान में तोड़फोड़ कर दी। मारपीट के दौरान ससुर घायल हो गए। घटना रविवार की है, जिसका वीडियो मंगलवार को सामने आया है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। घायल ससुर मेरीलाल उर्फ राजेंद्र ने बताया कि उनकी बड़ी बहू लंबे समय से उन पर मकान की रजिस्ट्री अपने नाम कराने का दबाव बना रही है। उन्होंने बताया कि वह अपनी सैलून दुकान चलाते थे और बाहर कुर्सी लगाकर ग्राहकों से कुछ कमाई कर लेते थे।

कुर्सी तोड़कर उसी के डंडे से की पिटाई: मेरीलाल के अनुसार, सोमवार रात बहू दुकान पर पहुंची और गुस्से में दुकान की कुर्सी तोड़ दी। इसके बाद उसी कुर्सी के डंडे से उनके शरीर

पर वार किए, जिससे उन्हें सिर और शरीर में चोटें आईं। वीडियो में बहू को दुकान के बोर्ड उतारते, सामान बिखेरते और अंदर तोड़फोड़ करते हुए देखा जा सकता है। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर स्थिति संभाली।

अपने नाम पर प्रॉपर्टी कराना चाहती हैं बहू: ससुर का कहना है कि उन्होंने अपनी संपत्ति का हिस्सा दोनों बेटों में बांट दिया है, लेकिन बहू उनके हिस्से को भी अपने नाम करवाना चाहती है। राजेंद्र नगर पुलिस ने वृद्ध की शिकायत पर मारपीट और तोड़फोड़ का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि वीडियो सहित उपलब्ध सबूतों के आधार पर जांच की जा रही है।

आक्रोशित सिंधी समाज ने सर्व समाज के साथ मिलकर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रायपुर (छ.ग.) की जुहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रमुख अमित बघेल द्वारा सिंधी समाज के आराध्य भगवान श्री झूलेलाल जी, अग्रवाल समाज के आराध्य श्री अग्रसेन महाराज जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय जी एवं जैन समाज के आराध्यों के खिलाफ की गई अशोभनीय टिप्पणी के विरोध में आज सिंधी समाज ने सर्व समाज के साथ मिलकर जोरदार प्रदर्शन किया। भगवान श्री झूलेलाल एवं अग्रसेन महाराज जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर अग्रसेन चौक पर विरोध प्रदर्शन किया गया, तत्पश्चात शांतिपूर्ण रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर एस.डी.एम. राहुल सिलाडिया को राष्ट्रपति महोदया के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

भारतीय सिंधु सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विंध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री सतीश सुखेजा ने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि अमित बघेल के विरुद्ध राष्ट्रद्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाए।

इस विरोध में अनेक संस्थाएँ शामिल रहीं — हिन्दू पर्व समन्वय समिति, विश्व हिन्दू परिषद, अग्रवाल नवयुवक मंडल, विन्ध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, अग्रवाल महासभा, भारतीय सिंधु सभा, सैंट्रल सिंधी पंचायत, भारतीय सिंधु सभा युवा शाखा, सिंधु विकास समिति, सिंधी समाज भरहुतनगर, क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन, जनरल मर्चेंट एसोसिएशन, किराना व्यापारी संघ, जैन समाज, मारवाड़ी समाज सहित अन्य संस्थाएं उपस्थित रहीं। भारतीय सिंधु सभा युवा शाखा ने पूरे आंदोलन में समन्वयक की भूमिका निभाई। अध्यक्ष विकास सुखेजा, महामंत्री जैकी छाबड़िया, पंकज आहूजा, गोल्डी खिलवानी, दिनेश मेहरचंदानी, दिनेश जगवानी, जितेन्द्र सदानी, संतोष दौलतानी, गोविन्द छावड़िया, भरत आहूजा, सुमित सेवानी, पंकज जुलवानी, मुकेश जुलवानी, गौरव अगिचानी, रोहित छिलवानी, अजय छावरानी सहित पूरी टीम ने आंदोलन की रूपरेखा तैयार कर उसे सफल बनाया।

सर्व सिंधी समाज से गोपी गेलानी, मनोहर वाधवानी, गोपी कापड़ी, विक्रम चौधरी, श्रीचंद मनवानी, होलाराम वाधवानी, रामचंद चंदानी, राजकुमार बजाज, घनश्याम मंघरानी, गंगाराम होतवानी, अशोक चांदवानी, राजलदास, प्रकाश वलेचा, रवि मिरानी, भीषम वलेचा, जितेंद्र घावरी, विनोद पंजवानी, पहलाजराय भावनानी, दिलीप जिंदवानी, दीपक वलेचा, संतोष गेलानी, अशोक वाधवानी, पार्षद मनीष टेकवानी, फेरूमल तोलवानी, गुरमुख पंजवानी, अनिल मोटवानी, सेवकराम आवतवानी, सुधीर आहूजा, अमित भावनानी, संजय खिलवानी, राजलदास आडवानी, रामचंद्र चंदानी सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। सर्व समाज से योगेश ताम्रकार, पालन चतुर्वेदी, मनोज शर्मा, विष्णु अग्रवाल, संदीप चमड़िया, दीपक अग्रवाल, रामअवतार चमड़िया, हरिओम गुप्ता, मनीष अग्रवाल, गिरीश अग्रवाल, ज्ञान खटवानी, मनोज नोतानी, जितेन्द्र मंघनानी, अशोक पिंजाणी, राजीव गुप्ता, राजेश अग्रवाल, विजय अग्रवाल, राजेन्द्र अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, राकेश अग्रवाल सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

धरती, आकाश, पाताल में नहीं बचेंगे मेडिकल नशे के कारोबारी : पुलिस अधीक्षक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पुलिस अधीक्षक मैहर अवधेश प्रताप सिंह ने मेडिकल नशे के कारोबारियों को सख्त लहजे में चेताते हुए कहा कि ऐसा कृत्य पूरी मानवता के लिए खतरा है हमारी आने वाली पीढ़ी इस नशे के कहर से बर्बाद हो रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस महानिरीक्षक जोन रीवा गौरव राजपूत के निर्देशन में हम सभी कृत संकल्पित है कि पूरे विंध्य से इस नशे का खत्मा करेंगे। मेडिकल नशे के खिलाफ हर दिन हर पल हर शहर कस्बे में पुलिस सख्ती से कार्यवाही करने के लिए तत्पर है। इसलिए इस अपराध से जुड़े लोग या तो इस नशे का कारोबार बंद करदे या शहर छोड़ दें। कोई कितने भी शातिराना अंदाज में यह कार्य करने की मंशा पाले रहे पुलिस उसे ढूंढ निकालेगी।

मैहर जिले के ताला थाना क्षेत्र में रेत के अंदर छिपा के रखी गई कोरेक्स कफ सिरफ की 286 शीशियों में की गई कार्यवाही नजीर मात्र है जो कारोबारियों को यह जताने के लिए पर्याप्त है कि पुलिस जब अपने में आती है तो अपराध और अपराधी को धरती

आकाश पाताल से ढूंढ निकालती है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मेरी इन कारोबारियों को चेतावनी है जो नशा हमारे समाज के नस्ल को बर्बाद करने में अहम भूमिका अदा करे हमारे देश के युवा जो हमारी ताकत है हमारी सोच है हमारे भविष्य है उन्हें बर्बादी की ओर ले जाए उसे साथ मिलकर कंधे से कंधा मिला समूल नष्ट करना हम सब की जिम्मेवारी है।

उन्होंने कहा कि मेरी पूरे जिले वासियों से अपील है कि इस तरह के कारोबार जिले के किसी भी कोने में संचालित हो रहे हो जहां हम न पहुंच पा रहे हो उसकी जानकारी हमे प्रदान करे उनकी एक एक बात गोपनीय रखी जाएगी और हम सख्त कार्यवाही करेंगे क्योंकि स्वस्थ्य समाज की परिकल्पना हम सभी की महती जिम्मेवारी है।

बाबा निहाल दास दरबार में गुरु नानक जयंती की जय-जयकार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कंवर नगर सिन्धी कॉलोनी स्थित बाबा निहालदास गुरुद्वारा में गोपष्टमी तिथि से गुरु नानक जयंती की धूम मची हुई है प्रातः 5:00 बजे से ही गुरुद्वारा प्रांगण से प्रभात फेरी का आयोजन किया जा रहा है जो श्री धन गुरु नानक सारा जगतारिया एवं राम नाम की आध्यात्मिक धुनों से नगर भ्रमण कर रही है, प्रभात फेरी का विभिन्न स्थानों पर बड़े ही उमंग एवं हर्षोल्लास के साथ सर्व समाज द्वारा स्वागत किया जा रहा है गुरुद्वारा प्रमुख द्वारा अरदास करके सभी परिवारों हेतु गुरु नानक देव से सुख शांति हेतु प्रार्थना की जा रही है।

स्वागत करने वालों में आहूजा परिवार,आसरानी परिवार, मोटवानी परिवार, गंगवानी परिवार, फुलवानी परिवार, लालवानी परिवार ,बजाज परिवार घोघवानी परिवार एवं कई लोग शामिल है। गुरुद्वारा प्रमुख विजय जिज्ञासी ने जानकारी देते हुए बताया आज 5नवंबर को प्रातः 5:00 बजे प्रभात फेरी 12:00 बजे श्री भोग साहब, तत्पश्चात अटूट लंगर का वितरण एवं शाम 3:30 बजे से गुरु नानक देव की शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो सिंधी कॉलोनी के प्रमुख मार्गों का नगर कीर्तन एवं भ्रमण करते हुए वापस गुरुद्वारा में आकर विश्राम करेगी ।सभी कार्यक्रमों हेतु सेवादारियों को अलग-अलग दायित्व सौंप दिया गया है भंडारा व्यवस्था(लंगर तैयार करने) प्रदीप

नागदेव, नरेंद्र नागदेव, रोशन तोलवानी, पुरुषोत्तम सोनी एवं सुशील जिज्ञासी को व शोभा यात्रा की व्यवस्था हेतु सुशील जग्यासी, रोहन जग्यासी, विनोद गेलानी, राम नागदेव, विशाल मनवाणी एवं करतार कामरानी झांकी की सजावट हेतु सुशील जग्यासी, हर्ष जग्यासी, ध्रुव जग्यासी, अशोक चांदवानी, अशोक कोटवानी, संदीप डूलानी एवं टेंट व्यवस्था हेतु सोनू नागदेव, प्रदीप नागदेव, सुशील जग्यासी, रंजीत सेनानी संगीत एवं भजन व्यवस्था गंगाराम होतवानी, अनिल वाधवानी, जतिन जग्यासी विजय जग्यासी एवं निखिल वाधवानी को सौंपी गई है।

व्यापार मेले की सांस्कृतिक संध्या मे शामिल होगा सर्व समाज : सतीश सुखेजा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विन्ध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, सतना के तत्वावधान में आयोजित होने वाले 11 दिवसीय 'विन्ध्य व्यापार मेला 2025' की तैयारियों को लेकर आज एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। यह भव्य मेला 19 दिसंबर से 29 दिसंबर 2025 तक बी.टी.आई. ग्राउंड, रीवा रोड, सतना में आयोजित किया जाएगा।

बैठक में मेले के प्रमुख सांस्कृतिक आकर्षण 'विन्ध्य संस्कृति संगम – अपनी परम्परा, अपनी पहचान' के आयोजन की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि मेले के अंतर्गत एक विशेष 'सर्व समाज सांस्कृतिक संध्या' का आयोजन किया जाएगा, जिसमें शहर के विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि पारंपरिक नृत्य, संगीत और लोक संस्कृति से ओत-प्रोत मंचीय प्रस्तुतियाँ देंगे।

सभी समाजों के प्रतिनिधियों ने अपनी सहभागिता की पुष्टि करते हुए एक सुर में कहा कि यह आयोजन 'एकता में विविधता' का सशक्त संदेश देगा। समिति ने यह भी बताया कि इस वर्ष मेले में स्थानीय कला, संस्कृति और परंपराओं ो विशेष रूप से प्रोत्साहन दिया जाएगा, जिससे मेले का स्वरूप और भी भव्य एवं आकर्षक बनेगा।

व्यापार, संस्कृति और मनोरंजन के अद्भुत संगम के रूप में प्रस्तुत होने वाला 'विंध्य व्यापार मेला 2025' न केवल व्यापारिक दृष्टि से, बल्कि सांस्कृतिक एकता के पर्व के रूप में भी सतना शहर के लिए एक बड़ा उत्सव साबित होगा।

इस अवसर पर चेम्बर अध्यक्ष सतीश सुखेजा, कनिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक अग्रवाल, मंत्री हरिओम गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य अनिल मोटवानी, विकास सुखेजा, सुरेश बाषाणी, अमित चमड़िया, सुजाता शर्मा, सिमरन होतचंदानी, मोना चोपड़ा, रेनू सोनी, सुष्मा गुप्ता, बंदना ताम्रकार, द्वारिका गुप्ता, शिव मंगल गुप्ता, इंद्रानी चटर्जी, अंजली पाण्डेय, विमला सिंह रघुवंशी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

ट्रक ने शिक्षक को रौंदा, बुलेट सवार की मौके पर मौत; चालक ट्रक मौके पर छोड़कर फरार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के बाबूपुर पुलिस चौकी क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक सड़क हादसे में बुलेट सवार शिक्षक की मौके पर ही मौत हो गई। सगमनिया के पास एक ट्रक ने पीछे से बुलेट को टक्कर मार दी, जिससे शिक्षक विजय कुमार पांडेय ट्रक के नीचे आ गए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक विजय कुमार पांडेय सतना के टिकुरिया टोला के निवासी थे और शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर में स्पोर्ट शिक्षक थे। वे सुबह करीब 9 बजे अपनी बुलेट बाइक (एमपी 19 एमवाई 4011) से बिरसिंहपुर स्थित स्कूल जा रहे थे।

चालक ट्रक मौके पर छोड़कर फरार: इसी दौरान, बालू से लदे एक ट्रक ने उनकी बुलेट को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि विजय ट्रक के नीचे आ गए और ट्रक उन्हें रौंदते हुए आगे बढ़ गया। स्थानीय लोगों के शोर मचाने पर चालक ट्रक मौके पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर बाबूपुर चौकी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश जारी है।

जनसुनवाई में दिव्यांग छात्र रावेन्द्र कुशवाहा को मिला लैपटॉप

कलेक्टर ने सुनी 103 आवेदकों की समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई में जिले के दूर-दराज के क्षेत्रों से आये 103 आवेदकों से स्वयं उनके पास जाकर समस्यायें सुनी और अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिये। जनसुनवाई में आये उचेहरा निवासी 100 प्रतिशत दृष्टि बाधित छात्र रावेन्द्र कुशवाहा को कलेक्टर द्वारा मुख्यमंत्री दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना अंतर्गत लैपटॉप प्रदान किया गया। इसी प्रकार जनसुनवाई में आये अन्य दिव्यांगजनों की मांग पर चार

दिव्यांगों को वैसाखी तथा तीन दिव्यांगजनों को कान की मशीन कलेक्टर द्वारा तत्काल मौके पर ही प्रदान की गई। इस मौके पर अपर कलेक्टर विकास सिंह, डिप्टी कलेक्टर बीके मिश्रा द्वारा भी आवेदकों की समस्याओं पर जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में जमीन का सीमांकन कराने, अनुकंपा नियुक्ति, खाद्यान पात्रता पर्ची, दाखिल-खारिज कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध कब्जा हटाने, विद्युत समस्या, जमीन का कब्जा दिलाने, सीमांकन कराने, दिव्यांग मोटराईज्ड ट्राईसिकिल दिलाने, चिकित्सा सहायता, रोजगार दिलाने, भरण-पोषण और संबल योजना के लाभ संबंधी आवेदन लेकर जनसुनवाई में पहुंचे।

नगर निगम आयुक्त अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी पदाभित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा मध्यप्रदेश के नगर पालिक निगम आयुक्त सतना को नगर पालिक निगम क्षेत्र के अंदर गहन पुनरीक्षण की अवधि के लिए अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी पदाभित किया गया है। पदाधिकारी लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 13 सीसी के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग में प्रतिनियुक्ति समझे जायेंगे और ऐसे अधिकारी इस अवधि के दौरान निर्वाचन आयोग के नियंत्रण, अधीक्षण एवं अनुशासन के अध्यधीन होंगे।

रास्ते के लिए कलेक्टर ऑफिस के सामने बुजुर्ग का धरना, सुरक्षा कर्मियों ने जबरन हटाया, बोले- शिकायतों पर कार्रवाई नहीं

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। घर के रास्ते में अवरोध लगाए जाने से परेशान एक बुजुर्ग मंगलवार को जनसुनवाई से पहले कलेक्टर कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें समझाइश देकर वहां से हटाया। रघुराजनगर तहसील के खाम्हा गांव निवासी गया प्रसाद तिवारी लंबे समय से रास्ते की समस्या का सामना कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके घर तक जाने वाली पंचायत की ओर से बनाए आरसीसी सड़क पर गांव के मुनेंद्र शुक्ला और सहयोगियों ने कटीली तार और बांस-बल्ली लगाकर रास्ता बंद कर दिया है। जिससे उनका आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है।

चबूतरे से चढ़कर घर से निकलना पड़ता है: बुजुर्ग तिवारी का कहना है कि अब उन्हें घर से बाहर आने के लिए देवस्थान पर बने चबूतरे पर चढ़कर गुजरना पड़ता है। उन्होंने कहा कि मेरी उम्र में यह रास्ता पार करना बहुत मुश्किल है, कई बार गिरते-गिरते बचा हूं।

कई बार शिकायत, पर नहीं हुई सुनवाई: तिवारी के अनुसार, उन्होंने पंचायत, तहसील और पुलिस प्रशासन को कई बार शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी से परेशान होकर वे न्याय की मांग लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और धरने पर बैठ गए।

मंदसौर पुलिस ने नकली नोट गिरोह पकड़ा, आरोपी गिरफ्तार : पंजाब से चल रहा था नेटवर्क ध्वस्त, लाखों की नकदी, कार और प्रिंटिंग मशीन जब्त

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर पुलिस ने सोमवार को नकली नोटों के अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने बताया कि गिरोह के मास्टरमाइंड गुरजीत सिंह उर्फ गुरिंदरजीत सिंह निवासी पटियाला (पंजाब) को गिरफ्तार कर उसका पूरा नेटवर्क ध्वस्त कर दिया। मौके से लाखों रुपए के नकली नोट, कंप्यूटर, प्रिंटर, चमकीली पन्नी, कटर और अन्य उपकरण जब्त किए हैं। गिरोह मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में नकली नोटों की आपूर्ति करता था।

दरअसल, 27 अक्टूबर 2025 को वायडीनगर थाना क्षेत्र की मुल्तानपुरा चौकी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दाऊतखेड़ी रोड स्थित काका टी स्टॉल पर कुछ लोग नकली नोटों का लेन-देन कर रहे हैं। कार्रवाई में पुलिस ने निसार हुसैन पटेल, रियाज नियारगर, और दीपक गर्ग को गिरफ्तार किया तथा उनसे 38,000 मूल्य के 76 नकली नोट बरामद किए थे।

यूट्यूब से सीखा था नकली नोट बनाना: पूछताछ के दौरान नकली नोटों का लिंक हरियाणा से जुड़ा पाया गया। मंदसौर पुलिस साइबर सेल और तकनीकी सहायता के साथ अंबाला (हरियाणा) पहुंची, जहां से संदीप सिंह बसैती और प्रिंस अहलावत को पकड़ा गया। इनके कब्जे से 6,000 मूल्य के नकली नोट जब्त किए गए। इनसे मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने गिरोह के सरगना गुरजीत सिंह उर्फ गुरिंदरजीत सिंह (36 वर्ष) को पंजाब के सनौर जिला पटियाला से दबिश देकर गिरफ्तार किया। उसके घर पर बने कारखाने से 3,66,000 मूल्य के नकली नोट, नकली नोट छापने की मशीनें, पेपर और डिजिटल उपकरण बरामद हुए। आरोपी फोटोशॉप सॉफ्टवेयर के जरिए असली नोटों की स्कैनिंग कर कलर प्रिंटर से प्रिंट निकालता था। इसके बाद हरे रंग की चमकीली पन्नी चिपकाकर नोटों को असली जैसा रूप देता था। यह पूरी प्रक्रिया उसने यूट्यूब से सीखी थी। आरोपी इन नकली नोटों को विभिन्न राज्यों के तस्करों को आधी कीमत पर बेचता था।

चार लाख के नोट मिले थे: पुलिस ने कुल 4 लाख मूल्य के 500, 200 और 100 रुपए के नकली नोट बरामद किए हैं। इसके साथ ही 3 लाख मूल्य के 6 एंड्रॉइड मोबाइल फोन, 10 लाख की ह्युंडई वरना कार, 1 लाख कीमत के कंप्यूटर, प्रिंटर, सीपीयू सहित उपकरण जब्त किए हैं। इनकी कीमत लगभग 18 लाख आंकी गई है।

अब तक गिरफ्तार आरोपी : अब तक रियाज पिता नन्हे खां (38) - निवासी पिपलियामंडी, मंदसौर, निसार पिता मोहम्मद हुसैन पटेल (36) - निवासी बोतलगंज, मंदसौर, दीपक पिता जमनालाल गर्ग (42) - निवासी जवाहर नगर, भीलवाड़ा (राजस्थान), संदीप सिंह पिता नरेंद्र सिंह बसैती (38) - निवासी लांडी, शाहबाद, कुरुक्षेत्र (हरियाणा), प्रिंस पिता रमेश कुमार अहलावत (23) - निवासी बरोट, लडवा, कुरुक्षेत्र (हरियाणा), मुख्य सरगना - गुरजीत सिंह उर्फ गुरिंदरजीत सिंह (36) - निवासी मोहल्ला कसाबियों वाला, सनौर, जिला पटियाला (पंजाब) को गिरफ्तार किया जा चुका है।

आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड: पुलिस के मुताबिक, आरोपी गुरजीत सिंह के खिलाफ थाना छपार (हरियाणा) में केस दर्ज हैं।

चोरी के आरोपी को तिहाड़ जेल से लाई पुलिस:7 माह पहले रतलाम में की थी चोरी; इंदौर में जमीन में गाड़ दिए थे ढाई लाख के जेवर

रतलाम, एजेंसी।रतलाम पुलिस ने 7 माह पूर्व हुई लाखों रुपए की चोरी का खुलासा किया है। स्टेशन रोड थाना क्षेत्र के टीआईटी रोड पर 19 मार्च 2025 को हुई चोरी के मामले में पुलिस ने इंदौर के शातिर चोर गुरदीप सिंह (20) को दिल्ली की तिहाड़ जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया। पुलिस ने चोर की निशानदेही पर 2 लाख 20 हजार रुपए के सोने-चांदी के आभूषण समेत 30 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं। इस वारदात में शामिल दो अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं।

स्टेशन रोड थाना पुलिस के अनुसार, 19 मार्च 2025 की रात शहर के टीआईटी रोड निवासी मोहित मंत्री के घर का ताला तोड़कर चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। मोहित का परिवार उनकी मां सरला के पैर में फैक्चर होने के कारण घटना के 7 दिन पहले इंदौर गया हुआ था। 20 मार्च की सुबह मोहित मंत्री के काका राधेश्याम मंत्री ने घर के ताले टूटे दिखने पर पुलिस को चोरी की सूचना दी थी। घर में से चोर 3 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवरात एवं एक लाख नगदी चुरा ले गए थे।

इंटरनल नेटवर्किंग से मिली तिहाड़ जेल में होने की खबर: पुलिस ने चोरी के बाद लगातार शहर के सीसीटीवी खंगाले थे, जिसमें तीन चोर कैद हुए थे। पुलिस को इंटरनल नेटवर्किंग के जरिए पता चला कि आरोपी गुरदीप तिहाड़ जेल में बंद है। कंफर्म होने पर रतलाम पुलिस दिल्ली पहुंची और प्रोडक्शन वारंट पर आरोपी गुरदीप सिंह (20) पिता विजय सिंह सिकलीगर (निवासी आकाश नगर, इंदौर) को लेकर रतलाम आई।

जमीन में गाड़कर छिपाए थे जेवर : पुलिस ने आरोपी गुरदीप से पूछताछ की। उसने बताया कि उसने अपने दो साथियों के साथ वारदात कर चुराए गए जेवर इंदौर में अपने घर के पास एक जगह जमीन में गाढ़कर छिपाए थे। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस इंदौर गई और वहां से 1 सोने की चेन, 2 सोने की अंगूठियां, 3 सोने के नाक के कांटे, 1 जोड़ी सोने के टॉप्स, 3 जोड़ी चांदी की पायजेब, 3 जोड़ी चांदी की बिछिया और 30 चांदी के सिक्के समेत 30 हजार रुपए भी बरामद किए। चोर ने बाकी रुपए खर्च कर दिए।

दिल्ली में 1.5 करोड़ की चोरी में भी शामिल है आरोपी: पुलिस के अनुसार, तिहाड़ जेल से रतलाम लाए गए चोर गुरदीप ने रतलाम के पहले दिल्ली के मुखर्जी नगर में अपने दो अन्य साथियों के साथ डेढ़ करोड़ रुपए की चोरी की थी। उसी चोरी में यह दिल्ली पुलिस की गिरफ्त में आया था। गुरदीप ने दिल्ली, रतलाम के अलावा इंदौर व देवास में भी चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है।

चाबी बनाने का काम करते हैं बदमाश: स्टेशन रोड थाने के सब इंस्पेक्टर मुकेश सस्तिया ने बताया कि दो अन्य आरोपी राजसिंह पिता किरण सिंह व सुखबीर सिंह पिता रघुवीर सिंह (दोनों निवासी आकाश नगर, इंदौर) फरार हैं। इनकी तलाश की जा रही है। बदमाश चाबी बनाने का काम करते हैं और घरों पर ताला लगा देख चोरी की वारदात को अंजाम देते थे।

बिजली केबल डालने जा रहे किसान पर कुल्हाड़ी से हमला :रास्ते से निकलने पर गालीगलौज की, विरोध करने पर मारा; आरोपी फरार

सागर, एजेंसी।सागर के देवरी थाना क्षेत्र के ग्राम पड़रई बुजुर्ग में खेत में बिजली केबल डालने जा रहे एक किसान पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया। हमले में किसान गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे परिजन ने अस्पताल में भर्ती कराया है। सरकारी रास्ते से जाने की बात को लेकर यह विवाद शुरू हुआ था। किसान की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है और आरोपी मौके से फरार हो गया है।

सरकारी रास्ते से जा रहा था, तभी आरोपी ने रोका : पुलिस के अनुसार, फरियादी विनोद पिता विश्वनाथ यादव (निवासी पड़रई बुजुर्ग) ने सोमवार शाम थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि बालाजी हनुमान मंदिर के पास ट्रांसफार्मर लगा है। वह वहां से अपने खेत में बिजली केबल डालने के लिए लकड़ी के डंडे लेने के लिए सरकारी रास्ते से जा रहे थे। वहीं पर गांव का रामाकांत चढ़ार खड़ा था।

गाली-गलौज के बाद कुल्हाड़ी से किया हमला : रामाकांत चढ़ार ने उन्हें रोकते हुए कहा कि ÷मेरे खेत की मेड़ से क्यों जा रहे हो।÷ इस पर विनोद यादव ने कहा कि वह तो सरकारी रास्ते से जा रहे हैं। इसी बात को लेकर रामाकांत ने गाली-गलौज शुरू कर दी। जब विनोद ने गालियां देने से मना किया, तो रामाकांत चढ़ार ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। कुल्हाड़ी विनोद के कंधे पर लगी।

जान से मारने की धमकी देकर भागा आरोपी : जब आरोपी दूसरा वार करने लगा तो विनोद ने कुल्हाड़ी पकड़ ली। घटना देख आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। रामाकांत जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग गया। विनोद को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नेपानगर स्टेडियम में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रात में शराब पार्टी, सुबह टूटी बोतलें, मॉर्निंग वॉक पर आने वाले घायल हो रहे

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर के नेपानगर स्थित नेहरू स्टेडियम ग्राउंड में हर रात असामाजिक तत्व शराब पार्टियां करते हैं और खाली बोतलें फेंककर भाग जाते हैं। सुबह मॉर्निंग वॉक पर आने वाली महिलाओं, बच्चों और अन्य लोगों को पैरों में कांच चुभने से चोटें लग रही हैं। स्थानीय लोग इस समस्या से काफी परेशान हैं। नेपा लिमिटेड प्रबंधन की ओर से स्टेडियम में रोज साफ-सफाई कराई जाती है। मंगलवार सुबह भी ग्राउंड पर जगह-जगह शराब की खाली बोतलें मिलीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि हर रात यही स्थिति रहती है। इसके बाद टीम के साथ सैफी खाद बीज भंडार पहुंची और कालाबाजारी की पुष्टि होने पर गोदाम व दुकान को सील कर दिया गया।

मंगलवार दोपहर पथरिया थाने में सहायक संचालक कृषि ने सैफी जैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। आरोपी व्यापारी पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3, 7 और उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 की धारा 3(3)(1) 4, 5, 35 के तहत मामला दर्ज किया गया है। दमोह जिले में खाद की कालाबाजारी से जुड़ा यह पहला मामला है जिसमें एफआईआर दर्ज की गई है।

सिविल प्रबंधक बोले- लोगों की जिम्मेदारी जरूरी : नेपा मिल के सिविल प्रबंधक प्रशांत बैठालु ने कहा कि कई बार सफाई कराई जा चुकी है, लेकिन असामाजिक तत्व फिर गंदगी फैला देते हैं। उन्होंने कहा कि कितनी बार सफाई कराएं जब तक लोग खुद जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, समस्या दूर नहीं होगी।

महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा खतरा : सुबह ग्राउंड पर खेलने वाले बच्चों और वॉक पर आने वाली महिलाओं को पैरों में कांच चुभने से चोटें लग रही हैं। बोतलें फोड़कर फेंक देने से खतरा और बढ़ जाता है।

रायसेन मंडी में धान की रिकॉर्ड आवक-एक ही दिन में पहुंची 15,752 क्विंटल; कम दाम में बेचने को मजबूर किसान

रायसेन,एजेंसी। रायसेन में कृषि उपज मंडी में धान की आवक दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। सोमवार को अब तक की रिकॉर्ड आवक दर्ज की गई। रविवार की छुट्टी के बाद मंडी खुलने पर दशहरे मैदान स्थित अस्थायी मंडी में 15,752 क्विंटल धान पहुंची। धान से भरी ट्रालियों से दशहरे मैदान खचाखच भरा रहा। किसान नीलामी के लिए 12 से 15 घंटे का इंतजार करने के बावजूद कम दाम में अपनी उपज बेचने को मजबूर हैं।

450 किसान 500 से अधिक ट्रॉलियों में लाए धान : लगभग 450 किसान अपनी धान की उपज लेकर नीलामी से एक दिन पहले ही रात में अस्थायी मंडी दशहरा मैदान पहुंच गए थे। इस दौरान 500 से अधिक ट्रॉलियों में धान लाई गई थी।

भाव कम होने से किसान चिंतित : व्यापारियों ने धान की खरीद न्यूनतम 1600 रुपए प्रति क्विंटल और अधिकतम 3152 रुपए प्रति क्विंटल के भाव पर की। हालांकि, पूसा बासमती धान के मौजूदा भाव कम होने से किसान चिंतित हैं। किसानों का कहना है कि पूसा बासमती के दाम 4000 से 5000 रुपए प्रति क्विंटल होने चाहिए, जो उनकी अपेक्षा के अनुरूप नहीं मिल रहे हैं। दूर-दराज के क्षेत्रों से किसान अपनी धान की उपज लेकर मंडी पहुंच रहे हैं।

साटकूर रोड पर प्लॉट में मिला 5 माह का भ्रूण :बालिका का बताया; खरगोन पुलिस ने अज्ञात महिला की तलाश शुरू की

खरगोन,एजेंसी। खरगोन जिले के बालसमुद में साटकूर रोड पर स्थित एक खाली प्लॉट में मंगलवार सुबह पांच माह का भ्रूण मिला है। इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। राहगीरों ने भ्रूण देखकर तत्काल पुलिस को सूचना दी। कसरावद पुलिस मौके पर पहुंची और भ्रूण को कसरावद अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे बालिका का बताया। मंगलवार सुबह भ्रूण का पोस्टमार्टम किया गया। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

CCTV फुटेज खंगाल रही पुलिस : जांच के तहत पुलिस क्षेत्र के लोगों से पूछताछ कर रही है और सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, हालांकि अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। कसरावद एसआई जितेंद्र कवचे ने बताया कि आंगनवाड़ी केंद्रों से हाल ही में गर्भवती हुई महिलाओं की जानकारी जुटाई जा रही है।

टीआई बोले- मामले की गंभीरता से जांच जारी : कसरावद टीआई राजेंद्र बर्मन ने जानकारी दी कि भ्रूण का वजन लगभग 250 ग्राम था। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम कराया गया है और मामले की गंभीरता से जांच जारी है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पहले भी हो चुकी हैं ऐसी घटनाएं : यह पहली बार नहीं है जब खरगोन जिले में ऐसी घटना सामने आई है। आठ माह पहले डायवर्शन रोड क्षेत्र में भी एक भ्रूण मिला था। कुंदा नदी किनारे और जिला अस्पताल क्षेत्र में भी पहले ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें पुलिस दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं कर पाई है। हालांकि, महेश्वर क्षेत्र में अगस्त में नवजात मिलने के एक मामले में पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ा था।

करंट लगने से महिला की मौत, सब्जी तोड़ते समय टूटा बिजली का तार गिरा, परिजनों का पोस्टमॉर्टम से इनकार

शिवपुरी, एजेंसी। शिवपुरी जिले के तेंदुआ थाना क्षेत्र के माड़ोद गांव में मंगलवार सुबह एक महिला की करंट लगने से मौत हो गई। परिवारजन उसे तुरंत मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, मृतका अंगूरी रावत घर के बाहर सेम के बेल से सब्जी तोड़ रही थीं। तभी ऊपर से गुजर रहा बिजली का तार अचानक टूटकर नीचे गिर पड़ा। तार में करंट होने से अंगूरी उसकी चपेट में आ गई और मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ीं। परिजनों ने तुरंत तार हटाया और महिला को आनन-फानन में शिवपुरी मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने जांच कर बताया कि महिला की पहले ही मौत हो चुकी थी।

परिजनों ने पोस्टमॉर्टम से इनकार किया : घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा तैयार किया। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने कानूनी कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया।

अनूपपुर पुलिस लाइन से केबल चोरी-आरोपी गिरफ्तार, 40 मीटर इलेक्ट्रिक केबल बरामद

अनूपपुर, एजेंसी। अनूपपुर पुलिस ने पुलिस लाइन से बिजली केबल चोरी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया 40 मीटर इलेक्ट्रिक केबल और वारदात में इस्तेमाल किया गया प्लास बरामद किया है। यह घटना अनूपपुर पुलिस लाइन स्थित आवासीय क्वार्टरों में पानी की सप्लाई के लिए लगे विद्युत मोटर से संबंधित है। राजेश पाल (30), निवासी पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

खाद की कालाबाजारी, विक्रेता पर एफआईआर दर्ज वायरल वीडियो के बाद प्रशासन ने की कार्रवाई, दुकान की गई सील

दमोह, एजेंसी।दमोह के पथरिया में खाद की कालाबाजारी के आरोप में सैफी खाद बीज भंडार के संचालक पर एफआईआर दर्ज की गई है। यह कार्रवाई एक किसान के वायरल वीडियो के बाद हुई, जिसमें उसने अधिक दाम पर खाद बेचने का आरोप लगाया था और कलेक्टर से कार्रवाई की मांग की थी।पथरिया के केवलारी गांव के किसान भूपेंद्र पटेल सोमवार को सैफी खाद बीज भंडार पर खाद लेने पहुंचे थे। उन्हें डीएपी खाद की बोरी 2000 में देने की बात कही गई, जबकि इसका निर्धारित मूल्य 1340 है। किसान ने दुकान के सामने ही एक वीडियो बनाया, जिसमें उसने व्यापारी पर कालाबाजारी का आरोप लगाया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ और अधिकारियों तक पहुंचा, जिसके बाद तत्काल कार्रवाई शुरू की गई।सोमवार रात सहायक संचालक कृषि जेएल प्रजापति ने किसान के बयान दर्ज किए।

सीहोर में 8 दिन बाद फिर लौटी बारिश, किसानों को सिंचाई में होगा फायदा; न्यूनतम तापमान 18 डिग्री पर पहुंचा

सीहोर, एजेंसी।सीहोर जिले में आठ दिनों के अंतराल के बाद बारिश दर्ज की गई है। बीते 24 घंटों के दौरान आष्टा में 8 एमएम और जावर में 3 एमएम वर्षा रिकॉर्ड की गई है। सीहोर में कल न्यूनतम तापमान 18 डिग्री और अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सीजन में पहला दिन है जब न्यूनतम तापमान 20 डिग्री से नीचे गया है। इस प्रकार, अब ठंड के सीजन ने दस्तक दे दी है।

इस साल 58 स्रू कम हुई बारिश इस साल अब तक जिले में कुल 1109 एमएम बारिश हो चुकी है। जबकि, पिछले साल इसी अवधि में सीहोर जिले में 1167 एमएम बारिश दर्ज की गई थी। इस प्रकार, इस वर्ष पिछले साल की तुलना में 58 एमएम कम वर्षा हुई है।अब ठंड शुरू होने का अनुमान

मौसम विभाग के अनुसार: अब न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे कमी आ रही है। इससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आगामी दिनों में ठंड का मौसम शुरू हो जाएगा। इस साल मानसून ने 21 जून को दस्तक दी थी, जिसके बाद से रुक-रुक कर वर्षा का दौर जारी रहा और कई बार मानसून ब्रेक की स्थिति भी बनी।

कलेक्टर के निर्देश पर बन रहे बोरी बंधान: जल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देश पर जिले में बोरी बंधान बनाकर वर्षा जल को रोकने का कार्य किया जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक वर्षा जल को संग्रहित करना है।

किसानों को सिंचाई में होगा फायदा: प्रशासन का मानना है कि बोरी बंधान से किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होगा, खेतों में नमी बनी रहेगी और गांवों में पेयजल तथा मवेशियों के लिए पानी की कमी नहीं होगी।

चाकूबाजी में हत्या आरोपी गिरफ्तार, जेल से बाहर आया था आरोपी

खंडवा, एजेंसी। खंडवा के कोतवाली थाना क्षेत्र में रविवार तड़के तीन पुलिया के पास हुई चाकूबाजी में एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने वारदात के कुछ ही घंटे बाद मुख्य आरोपी गोपी यादव और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी गोपी पिता भुमन्ना यादव जीआरपी थाना खंडवा का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर है, जो हाल ही में जेल से बाहर आया था। घटना रविवार तड़के करीब 4 बजे की है। लखन उर्फ लक्की (24), निवासी सम्मति नगर, अपने दोस्तों आर्यन और अमन के साथ रेलवे स्टेशन की ओर टहलने गया था। इस दौरान तीन पुलिया के पास उसकी मुलाकात गोपी यादव और उसके साथी से हुई।

पुरानी रंजिश को लेकर दोनों पक्षों में विवाद बढ़ा और हाथापाई हो गई। इसी बीच आरोपी गोपी ने अपने साथी बाल अपचारी से चाकू लेकर लखन के पैर में वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल लखन को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 601/2025, धारा 103(2), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

कुछ ही घंटों में गिरफ्तार: पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय के निर्देशन, एएसपी महेन्द्र तारणेकर और डीएसपी अनिल सिंह चौहान के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक सिंह चौहान ने टीम के साथ त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी गोपी यादव और बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने अपराध स्वीकार किया है।

हिस्ट्रीशीटर निकला आरोपी : गोपी यादव (29), निवासी जवाहरगंज बडाबम, हाल पुरानी मल्टी चिराखदान, रामनगर थाना कोतवाली, खंडवा का निवासी है। वह जीआरपी थाने का हिस्ट्रीशीटर है, जिसके खिलाफ 25 से अधिक प्रकरण चोरी, लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट के दर्ज हैं। वह लूट के मामले में सात साल की सजा काटकर करीब एक माह पहले ही जेल से बाहर आया था।

मृतक के साथी पर भी आपराधिक प्रकरण: मृतक के साथी अमन पिता नासिर निवासी खानशाहवली के खिलाफ भी थाना मोघट रोड में कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। हाल ही में उसे अपराध क्रमांक 243/2025 के तहत विभिन्न धाराओं में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

पुलिस टीम को मिलेगा पुरस्कार: हत्या के कुछ ही घंटों में आरोपियों की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में निरीक्षक अशोक सिंह चौहान, उप निरीक्षक मनोज दबे, सुरेश जाधव, प्रधान आरक्षक लतेश तोमर, अमर प्रजापति, आरक्षक आलेस बैस, अरविंद तोमर, राहुल सिंह, पंकज साहू और दीपेन्द्र भदौरिया शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक ने टीम की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 की ऐतिहासिक जीत पर हरमनप्रीत, अमनजोत और मुनीश बाली को मिलेगा नकद पुरस्कार

मोहाली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप 2025 में ऐतिहासिक जीत के बाद पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने राज्य के तीन प्रमुख प्रतिनिधियों कप्तान हरमनप्रीत कौर, ऑलराउंडर अमनजोत कौर और फील्डिंग कोच मुनीश बाली को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित करने की घोषणा की है। पीसीए अध्यक्ष अमरजीत सिंह मेहता ने बताया कि हरमनप्रीत कौर और अमनजोत कौर को 11-11 लाख रुपये, जबकि टीम इंडिया के फील्डिंग कोच मुनीश बाली को 5 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। मेहता ने कहा कि जल्द ही एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें इन तीनों उत्कृष्ट खिलाड़ियों और कोच को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा, ÷यह जीत पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है, और हमें विशेष गर्व है कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि के प्रमुख सदस्य पंजाब से हैं। उनके समर्पण, प्रदर्शन और प्रतिबद्धता ने न केवल राज्य बल्कि भारतीय क्रिकेट को गौरवान्वित किया है। पीसीए अध्यक्ष अमरजीत सिंह मेहता और मानद सचिव (कार्यवाहक) सिद्धांत शर्मा ने संयुक्त रूप से तीनों को बधाई देते हुए कहा कि उनका यह योगदान महिला क्रिकेट के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा।

हरमनप्रीत कौर – नेतृत्व की मिसाल

मोगा की हरमनप्रीत कौर ने अपने साहसिक नेतृत्व और दृढ़ संकल्प से भारत को विश्व कप विजेता बनाया। उनका निडर दृष्टिकोण और टीम के प्रति समर्पण उन्हें भारतीय क्रिकेट का सच्चा प्रतीक बनाता है।

अमनजोत कौर – पंजाब की उभरती स्टार : पंजाब की युवा ऑलराउंडर अमनजोत कौर ने अपने हरफनमौला प्रदर्शन से भारत की सफलता में अहम योगदान दिया। उनकी मेहनत और जुनून ने महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

मुनीश बाली – फील्डिंग के सटीक आर्किटेक्ट : फील्डिंग कोच मुनीश बाली ने टीम के क्षेत्ररक्षण मानकों को नई दिशा दी। उनके प्रशिक्षण और मार्गदर्शन ने टीम की फील्डिंग को विश्व स्तरीय स्तर तक पहुँचाया, जिसने विश्व कप जीत में निर्णायक भूमिका निभाई

न्यूजीलैंड के सीफर्ट वेस्टइंडीज टी20 इंटरनेशनल टूर से बाहर, मिच हे को मिली जगह

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मंगलवार को बताया कि विकेटकीपर-बल्लेबाज टिम सीफर्ट उंगली में फ्रैक्चर के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ आने वाली टी-20 इंटरनेशनल सीरीज से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज बुधवार को ऑकलैंड के ईडन पार्क में शुरू होगी। एनजेडसी ने एक बयान में कहा, ÷सोमवार को वेलिंगटन फायरबर्ड्स के खिलाफ नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के लिए बल्लेबाजी करते समय उंगली में चोट लगने के बाद सीफर्ट रिटायर्ड हर्ट हो गए और बाद में एक्स-रे में उनकी दाहिनी तर्जनी उंगली में फ्रैक्चर का पता चला।÷

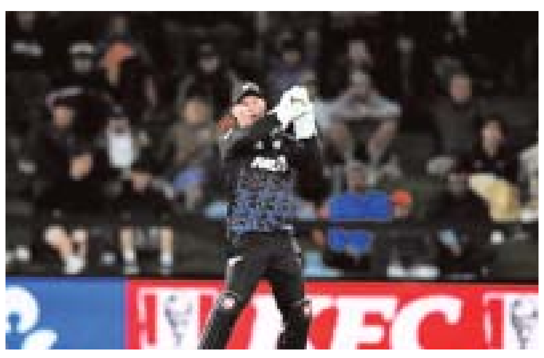

हेड कोच रॉब वाल्टर ने एक और महत्वपूर्ण सीरीज से ठीक पहले सीफर्ट के बाहर होने पर निराशा जताई। उन्होंने कहा, ÷हम सब टिम के लिए बुरा महसूस कर रहे हैं। वह इस टी-20 टीम का एक अहम सदस्य है, क्योंकि वह टॉप ऑर्डर में पावरफुल बैटिंग करता है और विकेटकीपर की भूमिका भी निभाता है, इसलिए अगले पांच मैचों में उसकी कमी खलेगी। उसने हाल की टी-20 सीरीज में दिखाया है कि वह टॉप फॉर्म में आ रहा है, इसलिए यह निराशाजनक है कि एक बड़े इवेंट की तैयारी के बीच यह रुक गया है।÷

वाल्टर ने कहा, ÷हम उम्मीद कर रहे हैं कि टिम जल्दी ठीक हो जाएगा और जितनी जल्दी हो सके मैदान पर वापस आएगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि सीफर्ट की जगह मिच हे को टीम में शामिल किया गया है और वह सोमवार रात को टीम के साथ जुड़ गए हैं।

हे ने पिछले साल नवंबर में दांबुला में श्रीलंका के खिलाफ डेब्यू करने के बाद से न्यूजीलैंड के लिए 11 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक पारी में सबसे ज्यादा डिसमिसल (6) का वर्ल्ड रिकॉर्ड उनके नाम है।

वाल्टर ने कहा कि हे सीफर्ट के लिए एक तैयार और काबिल रिप्लेसमेंट हैं। मिच ने अब तक अपने इंटरनेशनल मौकों में दिखाया है कि वह एक टॉप-क्वालिटी विकेटकीपर बल्लेबाज है और इस लेवल पर योगदान देने में पूरी तरह सक्षम है। हम खुशकिस्मत हैं कि हम उसकी काबिलियत के एक और खिलाड़ी को बुला सकते हैं, जो दिखाता है कि टी20 फॉर्मेट में हमारे पास अभी कितनी गहराई है।

आर अश्विन बिग बैश लीग में नहीं खेल पाएंगे, सामने आयी बड़ी वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने बिग बैश लीग में आगामी सीजन के लिए सिडनी थंडर के साथ करार किया था। वह इस लीग में खेलने वाले भारत के पहले खिलाड़ी बनने वाले थे। लेकिन इंजरी की वजह से आर अश्विन पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। सिडनी थंडर और अश्विन ने खुद इस खबर की पुष्टि की है। आर अश्विन की हाल ही में घुटने की सर्जरी इंजरी हुई है। वह रिकवरी की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं और बीबीएल शुरू होने तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाएंगे। इस वजह से वह आगामी सीजन से बाहर हो गए हैं। सिडनी थंडर ने मंगलवार को जारी एक बयान में आर अश्विन की इंजरी की वजह से सीजन से बाहर होने की पुष्टि की है। साथ ही कहा है कि टीम उनकी रिकवरी प्रक्रिया पर नजर रखेगी और देखेगी कि सीजन के दूसरे या आखिरी चरण में वह खेलने के लिए पूरी तरह फिट हो पाते हैं या नहीं। आर अश्विन ने एक बयान में कहा, ÷चेन्नई में तैयारी के दौरान घुटने में चोट लग गई। मेरा ऑपरेशन हुआ है। आगामी सीजन में नहीं खेल पाउंगा। मै इस टीम के लिए खेलने को लेकर काफी उत्साहित था। उन्होंने कहा, ÷रिहैब, रिकवरी और मजबूत वापसी के लिए कड़ी मेहनत करना जरूरी है। सिडनी थंडर से जुड़कर बहुत अच्छा महसूस हुआ। टीम के लिए पहली गेंद फेंकने से पहले ही मुझे घर जैसा महसूस कराने के लिए शुक्रिया। मैं हमारी महिला और पुरुष दोनों टीमों के हर मैच देखूंगा। अगर मेरी रिकवरी की प्रक्रिया ठीक रही, तो सीजन के अंत में सभी से व्यक्तिगत रूप से मिलना पसंद करूंगा। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल से संन्यास ले चुके अश्विन ने दुनिया की अन्य टी20 लीग में खेलने का इरादा बनाया है। बिग बैश लीग आईपीएल के अलावा उनकी पहली लीग होने वाली थी। वह इस लीग में खेलने वाले पहले भारतीय पुरुष क्रिकेटर बनने वाले थे, लेकिन इंजरी ने उनकी योजना पर पानी फेर दिया।

सेंट जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर 44 ने एक बार फिर जीता इंटरस्टेट स्कूल बास्केटबॉल चैम्पियनशिप का खिताब

चंडीगढ़, एजेंसी। एक रोमांचक दोहराव प्रदर्शन में, सेंट जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर 44 की बास्केटबॉल टीम ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित इंटरस्टेट स्कूल बास्केटबॉल चैम्पियनशिप का खिताब जीत लिया है। यह टीम की लगातार दूसरी जीत है, जो पिछले वर्ष प्रमित शर्मा की कप्तानी में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद हासिल हुई है। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार कौशल, दृढ़ निश्चय और उत्कृष्ट टीमवर्क का प्रदर्शन किया, अपने प्रतिद्वंद्वियों को मात देते हुए चैम्पियनशिप का ताज अपने नाम किया। प्रमित शर्मा के बेहतरीन नेतृत्व में टीम ने स्कूल बास्केटबॉल में उत्कृष्टता का एक नया मानक स्थापित किया है। स्कूल प्रशासन और छात्र इस अद्भुत उपलब्धि पर अत्यंत गर्व महसूस कर रहे हैं। टीम की यह जीत उनके कड़े परिश्रम, समर्पण और खेल के प्रति जुनून का प्रमाण है। हम पूरी टीम, उनके कोचों और मार्गदर्शकों को इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

स्वर्ण पदक विजेताओं को 5 लाख, रजत को 3 लाख और कांस्य को 2 लाख रुपए का नगद पुरस्कार

पंचकूला, एजेंसी। पेरिस इंटरनेशनल ओलम्पिक से शतरंज एशिया महाद्वीप के महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) ने बहरीन में हाल में समाप्त हुए एशियाई ओलम्पिक युवा खेलों 2025 में स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक विजेताओं को मशः 5 लाख, 3 लाख और 2 लाख रुपए का नगद पुरस्कार देने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त चौथे स्थान पर रहने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को 50,000 रुपए जबकि स्वर्ण पदक जीतने वाले पुरुष और महिला कबड्डी टीमों को 10-10 लाख रुपए का विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। पदक विजेता खिलाड़ियों के कोचों को भी एक-एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। भारत देश ने 23 से 31 अक्टूबर 2025 के बीच आयोजित एशियन ओलम्पिक गेम्स 2025 में कुल 48 पदकों (13 स्वर्ण, 18 रजत, 17 कांस्य) जीतकर तालिका में छठा स्थान हासिल किया। भारत देश ने मुक्केबाजी में सर्वाधिक 4 स्वर्ण पदक जीते। इसके अलावा कुश्ती में तीन स्वर्ण पदक और कबड्डी में दो स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहा। इस तरह के प्रदर्शन निरंतर प्रयास, कठोर प्रशिक्षण और सहयोगी स्टाफ के उचित मार्गदर्शन का परिणाम होता है। ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने कहा कि ÷यह प्रदर्शन भारतीय खिलाड़ियों के निरंतर प्रयास, कठोर प्रशिक्षण और कोचों के मार्गदर्शन का परिणाम है। ऐसे प्रोत्साहन खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने का कार्य करेंगे।

रणजी ट्रॉफी, अर्पित राणा और सनत सांगवान के शतक; दिल्ली बनाम पुडुचेरी मैच ड्रॉ

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्पित राणा (नाबाद 170) और सनत सांगवान (नाबाद 122) के शानदार शतकों से दिल्ली ने पुडुचेरी के खिलाफ रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मैच में अपनी दूसरी पारी में बिना कोई विकेट खोए 321 रन बनाए और मैच ड्रा हो गया। हालांकि पुडुचेरी को पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक मिले जबकि दिल्ली को एक अंक से संतोष करना पड़ा। दिल्ली के पहली पारी के 294 रन के जवाब में पुडुचेरी ने 481 रन बनाकर पहली पारी में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की थी। दिल्ली ने आज बिना कोई विकेट खोये 76 रन से आगे खेलना शुरू किया। नाबाद बल्लेबाजों अर्पित और सांगवान ने अपने-अपने शतक पूरे किये और टीम के स्कोर को 321 रन तक ले गए जिसके बाद मैच ड्रा घोषित किया गया। अर्पित ने 275 गेंदों पर नाबाद 170 रन में 17 चौके और दो छक्के लगाए जबकि सांगवान ने 213 गेंदों पर नाबाद 122 रन में नौ चौके लगाए। दोनों ने पहले विकेट की अविजित साझेदारी में 321 रन जोड़े और मैच ड्रा करवा दिया।

नए सीजन से पहले RCB ने बदली कोचिंग टीम, अन्या और रंगराजन को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने महिला प्रीमियर लीग (WPL) 2026 सीजन से पहले अपने कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव किया है। इंग्लैंड की पूर्व तेज गेंदबाज अन्या श्रब्सोल को टीम का नया गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है, जबकि मलोलन रंगराजन को हेड कोच पद पर प्रमोट किया गया है। पिछले सीजन में RCB चौथे स्थान पर रही थी, जिसके बाद यह बदलाव किया गया। श्रब्सोल ने सुनेत्रा परांजपे की जगह ली है, जो पहले इस भूमिका में थीं।

रंगराजन, जो तमिलनाडु के पूर्व स्पिनर हैं, शुरुआत से ही आरसीबी महिला टीम के सेटअप का हिस्सा रहे हैं और पुरुष टीम के लिए लीड स्काउट की भूमिका भी निभाते हैं। ल्यूक विलियम्स के अनुपलब्ध रहने के कारण यह बदलाव किया गया है, क्योंकि वह इस सीजन एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ बिग बैश लीग में व्यस्त रहेंगे।

जनवरी में शुरू होगा WPL 2026 सीजन: महिला प्रीमियर लीग 8 जनवरी से शुरू होकर फरवरी के पहले सप्ताह तक चलेगी। यह बदलाव इसलिए किया गया है ताकि टूर्नामेंट का शेड्यूल पुरुष टी20 विश्व कप 2026 से न टकराए, जिसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करेंगे।

RCB का कोर ग्रुप बरकरार: टीम प्रबंधन ने कप्तान स्मृति मंधाना को रिटेन करने का फैसला किया है। इसके अलावा एलिस पेरी, ऋचा घोष, सोफी मोलिन्यू और श्रेयंका पाटिल को भी टीम के कोर ग्रुप में बनाए रखा जाएगा। आर. मुरलीधर बल्लेबाजी कोच के रूप में और नवनीता गौतम मुख्य फिजियो के रूप में अपनी भूमिका निभाती रहेंगी।

सेंट जेवियर्स स्कूल चंडीगढ़ में 21वां वी.वी. डी रोज़ारियो सिक्स-ए-साइड सॉकर टूर्नामेंट शुरू

चंडीगढ़, एजेंसी। सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित 21वां वी.वी. डी रोज़ारियो सिक्स-ए-साइड सॉकर टूर्नामेंट आज से जोरदार अंदाज में शुरू हो गया। टूर्नामेंट में अंडर-13 और अंडर-17 आयु वर्ग के लड़के अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। ट्राइसिटी क्षेत्र की लगभग 21 उत्साही टीमें इस वार्षिक सॉकर प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही हैं, जो हर वर्ष खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का बड़ा मंच बनकर उभरती है। प्रतियोगिता प्रारूप के अनुसार, अंडर-13 आयु वर्ग के मैच लीग कम नॉक-आउट आधार पर खेले जाएंगे।

वहीं अंडर-17 आयु वर्ग में मुकाबले नॉक-आउट प्रारूप में होंगे। टूर्नामेंट के पहले दिन विभिन्न टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। आयोजकों ने बताया कि अगले कुछ दिनों तक जारी रहने वाले इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों की प्रतिभा, रणनीति और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन देखने को मिलेगा।

पहले दिन खेले गए मैचों के परिणाम इस प्रकार हैं–अंडर 13

मैच 1 सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चंडीगढ़ ने एमडीएवी स्कूल सेक्टर 22, चंडीगढ़ को [6-0] से हराया।

सपने देखना बंद न करें, आपको नहीं पता किस्मत कहां ले जाएगी : हरमनप्रीत कौर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को अपनी कप्तानी में पहली बार विश्व चैंपियन बनाने वाली हरमनप्रीत कौर ने देश के युवाओं के नाम संदेश दिया है। भारतीय कप्तान ने कहा कि युवा सपने देखना कभी बंद न करें, आपको नहीं पता किस्मत आपको कहां ले जाएगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा साझा एक वीडियो में हरमनप्रीत कौर ने कहा, ÷जब से मुझे बचपन में पसंद और नापसंद का अंदाजा हुआ, मेरे हाथ में हमेशा बल्ला रहा। मैं अपने पिता के बल्ले से खेला करती थी। बल्ला बड़ा था, एक दिन मेरे पिता ने अपने एक बल्ला काटकर छोटा कर दिया। हम उससे खेला करते थे।

जब हम टीवी पर कोई मैच देखते थे, या भारत को खेलते हुए देखते थे, या विश्व कप देखते थे, तो मैं सोचती थी कि मुझे भी ऐसे ही किसी मौके की जरूरत है। उस समय, मुझे महिला क्रिकेट की जानकारी नहीं थी।÷ उन्होंने कहा, ÷एक लड़की जिसे महिला क्रिकेट के बारे में नहीं पता था, वो नीली जर्सी पहनने का सपना देखती थी। ये जर्सी उसके लिए बहुत मायने रखती थी। मैंने बदलाव का सपना देखा था। यह सब दिखाता है कि आपको सपने देखना कभी नहीं छोड़ना चाहिए, आप नहीं जानते कि किस्मत आपको कहां ले जाएगी। आप कभी नहीं सोचते कि यह कब होगा, कैसे होगा। आप बस यही सोचते हैं कि यह होगा। इसलिए, मुझे लगता है, मेरा आत्मविश्वास था कि यह संभव हो सकता है। और ठीक वैसा ही हुआ। विश्व कप जीतने वाले लम्हे को याद करते हुए हरमनप्रीत कौर ने कहा, विश्व कप जीतना मेरा बचपन का सपना था। मुझे अपनी कप्तानी में मिले इस मौके को गंवाना नहीं था। निजी तौर पर यह मेरे लिए बेहद भावुक पल है। यह जादू जैसा है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि अचानक सब कुछ कैसे ठीक हो गया। सब कुछ एक-एक करके होता रहा। हम विश्व चैंपियन हैं। मैं बहुत सुकून महसूस कर रही हूं, बहुत विनम्र हूं, और भगवान की बहुत आभारी हूं। हमने जो सपना सालों से देखा, उसे जी रही है। वनडे विश्व कप 2017 के फाइनल में 9 रन से मिली हार को याद करते हुए हरमन ने कहा, ÷मैच पर हमारी पकड़ के बावजूद मिली हार ने हमारा दिल तोड़ दिया था। लेकिन इस पल ने हमें कहीं न कहीं जीत की प्रेरणा दी। उपविजेता होने के बाद भी देश में जिस तरह का हमारा स्वागत हुआ, उसने भविष्य के लिए हमारा आत्मविश्वास बढ़ाया और परिणाम सामने है।

बीसीसीआई ने सीनियर महिला इंटर-जोनल टी20 टीम घोषित की, शेफाली बनीं नॉर्थ जोन की कप्तान

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की क्षेत्रीय चयन समितियों ने मंगलवार को सीनियर महिला इंटर-जोनल टी20 ट्रॉफी के लिए टीमों की घोषणा की। इसमें भारत की विश्व कप विजेता खिलाड़ी शेफाली वर्मा को उत्तर क्षेत्र टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। इस टूर्नामेंट में छह टीमें सेंट्रल जोन, ईस्ट जोन, वेस्ट जोन, नॉर्थ जोन, नॉर्थ ईस्ट जोन और साउथ जोन भाग लेंगी। यह प्रतियोगिता 4 से 14 नवंबर तक नागालैंड में आयोजित की जाएगी। शेफाली वर्मा भारत की विश्व कप विजेता टीम की एकमात्र खिलाड़ी हैं जो सीनियर महिला इंटर-जोनल टी20 ट्रॉफी में हिस्सा ले रही हैं। 21 वर्षीय शेफाली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले प्रतीक रावल की चोट लगने के बाद टीम में शामिल किया गया था। उन्होंने इस विश्व कप में केवल दो मैच खेले थे।

हालांकि, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मुकाबले में शेफाली ने शानदार प्रदर्शन किया। अपने हरफनमौला खेल की बदौलत उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। उन्होंने पहली पारी में 87 रन बनाए और दूसरी पारी में दो अहम विकेट लिए। टीम में एक और खास नाम निकी प्रसाद का है, जो शेफाली वर्मा के दिल्ली कैपिटल्स के साथी खिलाड़ी और 2025 अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान हैं। वह इस टूर्नामेंट में दक्षिण क्षेत्र टीम की कप्तानी करेंगे। मध्य क्षेत्र की टीम में नुजहत परवीन कप्तान और विकेटकीपर के रूप में शामिल हैं। टीम की उपकप्तान निकिता सिंह होंगी। अन्य खिलाड़ियों में सिमरन दिलबहादुर, नेहा बडवाइक, अनुष्का शर्मा, वैष्णवी शर्मा, शुचि उपाध्याय, अनन्या दुबे, मोना मेश्राम, सुमन मीना, दिशा कसाट, संपदा दीक्षित, अंजलि सिंह, अमीषा बहुखंडी और नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर) का नाम शामिल है। नुजहत परवीन रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड से हैं, निकिता सिंह और कई अन्य खिलाड़ी मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ से हैं। इसके अलावा, टीम में छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ, विदर्भ क्रिकेट संघ, राजस्थान क्रिकेट संघ, उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ और केंद्रीय क्षेत्र क्रिकेट संघ की खिलाड़ी भी शामिल हैं।

पूर्वी क्षेत्र की टीम में मीता पॉल को कप्तान बनाया गया है, जबकि अश्वनी कुमारी उपकप्तान होंगी। टीम में प्रियंका लूथरा, धारा गुज्जर, तनुश्री सरकार, रश्मी गुढ़िया (विकेटकीपर), जिन्तिमणि कलिता, रश्मी डे, तन्मयी बेहरा, सुश्री दिव्यदर्शिनी, तितास साहू, सैका इशाक, आरती कुमारी, ममता पासवान और प्रियंका अचार्जी को भी शामिल किया गया है। इस टीम में बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी), झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए), असम क्रिकेट संघ, ओडिशा क्रिकेट संघ और त्रिपुरा क्रिकेट संघ की खिलाड़ी शामिल हैं। उत्तर-पूर्व क्षेत्र की टीम में देबस्मिता दत्ता को कप्तान बनाया गया है, जबकि नबाम यापू उपकप्तान होंगी। टीम में किरणबाला हाओरुंगबाम, लालरिनफेली पौतु, रितिसिया नोंगबेट, नजमीन खातून (विकेटकीपर), समयिता प्रधान, प्रियंका कुर्मी, विपेनी, नंदिका कुमारी, नबाम अभि, प्रणिता छेत्री, सोलिना जाबा, प्रिमुला छेत्री और रंजीता कोइजम शामिल हैं। इस टीम में मेघालय क्रिकेट संघ, अरुणाचल प्रदेश क्रिकेट संघ, मणिपुर क्रिकेट संघ, मिजोरम क्रिकेट संघ, नागालैंड क्रिकेट संघ और सिक्किम क्रिकेट संघ की खिलाड़ी शामिल हैं।

उत्तर क्षेत्र की टीम में शेफाली वर्मा को कप्तान बनाया गया है, जबकि श्वेता सहरावत उपकप्तान होंगी। टीम में दीया यादव, आयुषी सोनी, तानिया भाटिया (विकेटकीपर), एस. एम. सिंह, भारती रावल, बावनदीप कौर, मन्नत कश्यप, अमनदीप कौर, कोमलप्रीत कौर, अनन्या शर्मा, सोनी यादव, नज़्मा और नंदिनी को भी शामिल किया गया है। इस टीम में हरियाणा क्रिकेट संघ, दिल्ली जिला क्रिकेट संघ, चंडीगढ़ क्रिकेट संघ, हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ, जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ और पंजाब क्रिकेट संघ की खिलाड़ी शामिल हैं।

पश्चिम क्षेत्र की टीम में अनुजा पाटिल को कप्तान बनाया गया है, जबकि सयाली सतघरे उपकप्तान होंगी। टीम में पूनम खेमनार, धरणी थप्पेटला, तेजल हसब्निस, साइमा ठाकोर, हुमैरा काजी, इरा जाधव, किरण नवगिरे, अमृता जोसेफ, केशा पटेल, अर्शिया धारीवाल, उमेश्वरी जेठवा (विकेटकीपर), सिमरन पटेल और इशिता खले को भी शामिल किया गया है। इस टीम में महाराष्ट्र क्रिकेट संघ, मुंबई क्रिकेट संघ, बंगाल क्रिकेट संघ, गुजरात क्रिकेट संघ और सिक्किम क्रिकेट संघ की खिलाड़ी शामिल हैं।

दक्षिण क्षेत्र की टीम में निकी प्रसाद को कप्तान बनाया गया है, जबकि सब्बिनेनी मेघना उपकप्तान होंगी। टीम में कमलिनी जी (विकेटकीपर), वृंदा दिनेश, युवश्री के, आशा सोभना, चल्लुरु प्रत्यूषा, प्रणवी चंद्रा, सहाना पवार, सयाली अनिल लोनकर, मदीवाला ममता (विकेटकीपर), सजना सजीवन, मोनिका पटेल, शबनम शकील और अनुषा सुंदरेसन शामिल हैं।

देखेगा भारतीय वायुसेना का शौर्य

5 नवम्बर को नवा रायपुर में रजत जयंती महोत्सव के दौरान होगा सूर्यकिरण एरोबैटिक शो

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर राजधानी नवा रायपुर का आसमान 5 नवम्बर को भारतीय वायुसेना के पराक्रम और गौरव का साक्षी बनेगा। भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम (Suryakiran Aerobatic Team – SKAT) इस दिन अपने अद्भुत हवाई करतबों से नवा रायपुर के आकाश को देशभक्ति, रोमांच और गर्व के रंगों से भर देगी। यह प्रदर्शन रजत जयंती समारोह का प्रमुख आकर्षण होगा।

भारतीय शौर्य का आसमानी प्रदर्शन: 5 नवम्बर को नवा रायपुर का आसमान गर्व, रोमांच और देशभक्ति के रंगों से सराबोर होगा। छत्तीसगढ़ की रजत जयंती पर यह ÷शौर्य की उड़ान÷ हर नागरिक के हृदय में भारतीय वायुसेना के प्रति सम्मान और गर्व की भावना को और ऊँचा उठाएगी। राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित यह एरोबैटिक शो छत्तीसगढ़ की नई ऊँचाइयों और आत्मविश्वास का प्रतीक बनेगा। 'बॉम्ब बर्स्ट', 'हार्ट-इन-द-स्काई', 'एरोहेड' जैसी विश्वप्रसिद्ध फॉर्मेशन्स जब आकाश में आकार लेंगी, तब पूरा वातावरण भारतीय शौर्य और तकनीकी निपुणता से गूंज उठेगा। यह आयोजन छत्तीसगढ़ के युवाओं में अनुशासन, टीमवर्क और राष्ट्रीय गौरव की भावना को और मजबूत करेगा। राज्य शासन और भारतीय वायुसेना के संयुक्त प्रयास से कार्यक्रम की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं।

जनसहभागिता से सजेगा रजत जयंती का उत्सव: रायपुर सहित आसपास के जिलों से हजारों नागरिक, विद्यार्थी और परिवार इस एरोबैटिक शो के साक्षी बनेंगे। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि ÷आत्मनिर्भर भारत की उड़ान का प्रतीक बनेगा। सूर्यकिरण टीम का यह प्रदर्शन इस बात का प्रमाण है कि जब कौशल, समर्पण और तकनीक एक साथ उड़ान भरते हैं, तो आसमान भी झुक जाता है।

भारतीय वायुसेना की गौरवशाली परंपरा: 1996 में गठित सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम भारतीय वायुसेना की सटीकता और सामूहिक समन्वय की अनूठी मिसाल है। एशिया की यह एकमात्र नौ विमान वाली एरोबैटिक डिस्प्ले टीम है, जिसके विमानों के बीच की दूरी मात्र पाँच मीटर तक होती है। यह भारत की तकनीकी दक्षता, अनुशासन और साहस का अद्भुत उदाहरण है। टीम ने अपनी यात्रा की शुरुआत ॥ JT-v{ Kiran Mk-II से की थी और वर्ष 2015 में स्वदेशी तकनीक पर आधारित ॥ AL Hawk Mk-132 Advanced Jet Trainer के साथ नई उड़ान भरी। आज सूर्यकिरण टीम युवाओं के लिए प्रेरणा का पर्याय बन चुकी है।

700 से अधिक प्रदर्शन, विश्वभर में भारत का गौरव: अब तक सूर्यकिरण टीम ने 700 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन दिए हैं – श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, ब्रिटेन और थाईलैंड सहित अनेक देशों में भारत की प्रतिष्ठा को ऊँचाई दी है।2023 में टीम ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्रिकेट विश्वकप के दौरान शानदार प्रस्तुति देकर खेल और राष्ट्रगौरव का अनूठा संगम प्रस्तुत किया था। 5यह छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण है कि भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम हमारे रजत जयंती समारोह का हिस्सा बनेगी। यह शो छत्तीसगढ़ की उड़ान, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बनेगा। मैं प्रदेशवासियों से आग्रह करता हूँ कि वे इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनें और हमारे वीर वायुसैनिकों के साहस, सटीकता और समर्पण को सलाम करें।

चन्दन की खेती से समृद्धि की ओर बीजापुर का युवा किसान गुलशन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। लाल चन्दन की मूल्यवान लकड़ी की माँग आज सम्पूर्ण विश्व में निरंतर बढ़ रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार मंश इसकी कीमत लाखों रुपये प्रति टन तक पहुँच चुकी है। बस्तर जिले के भैरमगढ़ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत तालनार के युवा किसान श्री गुलशन कश्यप ने अपनी डेढ़ एकड़ भूमि पर 140 लाल चन्दन के पौधों का रोपण कर एक अनकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

इस अभिनव पहल में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। योजना के अंतर्गत पौधों की गड्ढा खुदाई, ट्री गार्ड की स्थापना तथा तीन वर्षों तक देखरेख एवं रखरखाव की स्वीकृति प्रदान की गई है। दो वर्ष पूर्व लगाए गए ये पौधे अब 10 से 12 फीट ऊँचे हो चुके हैं और किसान गुलशन के परिश्रम का प्रत्यक्ष प्रमाण बन गए हैं।

श्री गुलशन कश्यप का कहना है जैसे-जैसे लाल चन्दन के वृक्ष बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे मेरी संपत्ति और आत्मविश्वास भी बढ़ रहा है। वे अब वृक्षों के मध्य की भूमि में अरहर की खेती करने का भी विचार कर रहे हैं, जिससे भूमि की नमी और उर्वरता बनी रहे तथा प्राकृतिक रूप से वृक्षों को पोषण प्राप्त हो सके। कार्यक्रम अधिकारी श्री खेम चन्द साहू ने बताया कि मनरेगा के अंतर्गत किसानों की निजी भूमि पर वृक्षारोपण हेतु विशेष प्रावधान किया गया है, जिससे ग्रामीणों की आजीविका में दीर्घकालीन सुधार संभव हो सके। श्री गुलशन कश्यप को तीन लाख रुपये की लागत से तीन वर्ष की अवधि हेतु ÷ब्लॉक प्लांटेशन कार्य÷ की स्वीकृति दी गई है।

इस कार्य के क्रियान्वयन हेतु उद्यानिकी विभाग से प्रशिक्षित भैरम बाबा क्लस्टर संगठन को एजेंसी के रूप में चयनित किया गया है, जो पौधों की सिंचाई, खाद, निंदाई-गुड़ाई और देखरेख की जिम्मेदारी निभा रहा है। लाल चन्दन की खेती की सफलता को देखकर क्षेत्र के अन्य किसान भी इस दिशा में अग्रसर हो रहे हैं।

छत्तीसगढ़ देश में सबसे तेजी से विकास करने वाला राज्य : विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज नवा रायपुर अटल नगर में चल रहे छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के तीसरे दिन के मुख्य अतिथि के रूप कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य निर्माण से पहले छत्तीसगढ़ पलायन, कुपोषण और पिछड़ेपन के लिए जाना जाता था। अब 25 वर्ष में छत्तीसगढ़ ने तेजी से विकास किया है और छत्तीसगढ़, देश का सबसे तेजी से विकास करने वाला राज्य बन गया है। उन्होंने इस अवसर पर पडवानी गायक पद्मश्री उषा बारले, सूफी गायक श्री राकेश शर्मा, छत्तीसगढ़ गायक श्री कुलेश्वर ताम्रकर एवं पार्श्व गायक सुश्री भूमि त्रिवेदी को सम्मानित किया। इस मौके पर राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा और विधायक धरसीवां श्री अनुज शर्मा भी शामिल रहे।

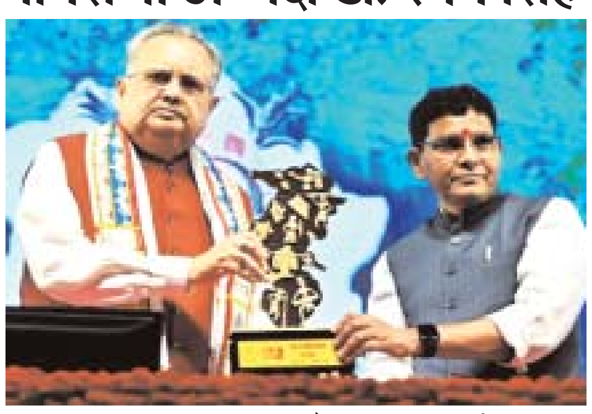

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता श्रद्धेय अटल जी का स्मरण करते हुए कहा कि अटल जी ने छत्तीसगढ़ की जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए छत्तीसगढ़ को पृथक से राज्य बनाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में छत्तीसगढ़ देश का सबसे तेजी से विकास करने वाला राज्य बना है। आज छत्तीसगढ़ भारत के आधे राज्यों को चावल प्रदान करता है, देश में हर पांचवे सीमेंट की बोरी छत्तीसगढ़ की है, हर पांचवा छड़ छत्तीसगढ़ का है, छत्तीसगढ़ विद्युत उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि अब बस्तर से सरगुजा तक सड़कों का जाल बिछ चुका है। राज्य में आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपलआईटी, हिदायतुल्लाह लॉ यूनिवर्सिटी, एम्स, 15 मेडिकल कॉलेज, 84 नर्सिंग कॉलेज जैसी संस्थाएं खुल गयीं हैं। ये छत्तीसगढ़ की बदलती तस्वीर है। उन्होंने कहा कि आने वाला कल छत्तीसगढ़ का है छत्तीसगढ़ के युवाओं के संकल्प में वो ताकत है कि 2047 में जब भारत विकसित राष्ट्र बनेगा तब छत्तीसगढ़ देश के सबसे विकसित राज्यों में शीर्ष पर होगा।

राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि राज्य का निर्माण जिन उद्देश्यों को लेकर किया गया था आज उसे पूरा करते हुए तीव्र गति से विकास कर रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में इसके विकास की गति दुगुनी हो गयी है। विधायक श्री अनुज शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी संस्कृति और संसाधनों में देश में विशिष्ट स्थान रखता है। उन्होंने रजत महोत्सव पर राज्य के निर्माताओं को नमन भी किया।

सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम ने बच्चों से की मुलाकात

दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में स्कूली बच्चों से किया संवाद

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर राजधानी रायपुर में आज भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम (Suryakiran Aerobatic Team – SKAT) ने स्कूली बच्चों से आत्मीय मुलाकात की। यह मुलाकात न केवल ज्ञानवर्धक रही, बल्कि देशभक्ति और प्रेरणा से भरपूर भी थी।

भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम के सदस्य दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम पहुँचे, जहाँ उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत की। बच्चों में टीम के पायलटों और तकनीकी विशेषज्ञों को देखकर जबरदस्त उत्साह था। सभागार में तालियों की गड़गड़ाहट के बीच बच्चों ने उत्साह से उनका स्वागत किया।

टीम के सदस्यों ने बच्चों को बताया कि कैसे सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम अनुशासन, सटीकता और टीमवर्क के माध्यम से आकाश में अद्भुत करतब करती है। उन्होंने समझाया कि हवाई करतब केवल कौशल का प्रदर्शन नहीं, बल्कि साहस, एकाग्रता और धैर्य की परीक्षा भी होती है। टीम ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि हर उड़ान एक जिम्मेदारी है – न केवल भारतीय वायुसेना के प्रति, बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव के प्रति भी। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि अगर वे मन लगाकर मेहनत करें, तो कोई लक्ष्य असंभव नहीं। टीम ने बच्चों को भारतीय वायुसेना के जीवन, प्रशिक्षण और तकनीकी तैयारियों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एयर फोर्स के बनने के लिए न केवल शारीरिक फिटनेस जरूरी है, बल्कि मानसिक मजबूती और वैज्ञानिक सोच भी उतनी ही आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे – उड़ान के दौरान टीम के पायलटों के बीच कितनी दूरी रहती है, मौसम का क्या प्रभाव पड़ता है, और हवा में बने हार्ट या एरोहेड जैसे फॉर्मेशन कैसे बनाए जाते हैं। टीम के सदस्यों ने मुस्कुराते हुए हर सवाल का जवाब सरल और प्रेरक अंदाज़ में दिया। सूर्यकिरण टीम के सदस्यों ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल हवाई प्रदर्शन तक सीमित नहीं है, बल्कि नई पीढ़ी में देशभक्ति, अनुशासन और समर्पण की भावना जगाना भी है। उन्होंने बच्चों से कहा – हमारी उड़ान तभी सार्थक है जब आपकी आँखों में भी उड़ने का सपना जग जाए।

कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों और अभिभावकों ने कहा कि यह संवाद बच्चों के लिए अविस्मरणीय रहा। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अब भारतीय सशस्त्र बलों को नए दृष्टिकोण से देख रहे हैं।

सुर, संगम और समर्पण से सजी रजत महोत्सव की संध्या

संगीत की सुरमयी शाम में झूम उठा राज्योत्सव मैदान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या में सोमवार की रात संगीत, नृत्य और लोक संस्कृति का अनोखा संगम देखने को मिला। बॉलीवुड की ख्यातनाम पार्श्व गायिका भूमि त्रिवेदी ने अपनी मनमोहक आवाज़ से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने ÷ससुराल गेंदा फूल, सैय्यारा, राम चाहे लीला, झुमका गिरा रे जय-जय शिवशंकर-कांटा लगे न कंकड़, होली खेले रघुवीरा, रंग बरसे, ये देश है वीर जवानों का..डम-डम ढोल बाजे, उड़ी-उड़ी जाएं जैसे लोकप्रिय गीतों को अपने नए अंदाज़ में प्रस्तुत कर माहौल को जोश और उमंग से भर दिया। हिंदी, पंजाबी और राजस्थानी सहित अन्य राज्यों के भाषाओं के धुनों के साथ छत्तीसगढ़ी लोकसंगीत का ताना-बाना जोड़ते हुए उन्होंने युवाओं के दिलों में संगीत की हलचल मचा दी। दर्शकों की तालियों और नृत्य से पूरा प्रांगण गूंज उठा।

पंडवानी की वीरता और सूफी संगीत की रूहानी छुअन: छत्तीसगढ़ की गौरवगाथा को आगे बढ़ाते हुए पद्मश्री श्रीमती ऊषा बारले ने अपने तानपुरे की झंकार और अभिव्यक्तिपूर्ण मुद्राओं से महाभारत की वीरता को जीवंत कर दिया। उनकी प्रस्तुति ने श्रोताओं को भावविह्वल कर दिया और वे देर तक मंच से नज़रें नहीं हटा सके। उन्होंने महाभारत के चीरहरण की घटनाओं को मार्मिक और हृदयस्पर्शी ढंग से प्रस्तुत किया। इसके बाद सूफी पार्श्व गायक राकेश शर्मा और उनकी टीम ने दमादम मस्त कलंदर, मौला मेरे मौला, चोला माटी के राम जैसे गीतों से श्रोताओं को रूहानी सफर पर ले गए। उनकी साथी गायिका निशा शर्मा और कलाकारों ने भी अपने स्वर और लय से इस सूफियाना माहौल को और प्रगाढ़ बनाया। प्रादेशिक लोकमंच के कलाकार कुलेश्वर ताम्रकार ने नाचा के माध्यम से छत्तीसगढ़ की माटी में रची-बसी लोकसंस्कृति को मंच पर साकार किया। उनके प्रदर्शन ने परंपरा, ऊर्जा और रचनात्मकता का ऐसा संगम रचा कि दर्शक देर तक तालियां बजाते रहे और दर्शकदीर्घा में मुस्कान के साथ थिरकते रहे।

राज्योत्सव के अवसर पर जनसंपर्क विभाग का सूचना एवं प्रदर्शनी स्टॉल आकर्षण का केंद्र

आमजनों को शासकीय योजनाओं की मिली जानकारी, नि:शुल्क पुस्तिकाओं का किया गया वितरण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत महोत्सव के अवसर पर कोरबा शहर के घंटाघर चौक स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर ओपन ऑडिटोरियम परिसर में तीन दिवसीय राज्योत्सव का भव्य आयोजन किया गया है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई है, जहाँ आम नागरिकों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है।

इसी क्रम में जिला जनसंपर्क विभाग, कोरबा द्वारा भी एक जानकारीपरक स्टॉल स्थापित किया गया है। स्टॉल में जिले के 25 वर्षों के विकास, उपलब्धियों और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी प्रदर्शित की गई है। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, युक्तियुक्तकरण एवं अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति से विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में हुए सुधार, जल जीवन मिशन के तहत घरों में नल कनेक्शन, पहाड़ी कोरवा युवाओं को रोजगार से हुए सकारात्मक बदलाव, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य जनहितकारी योजनाओं से जुड़े हितग्राहियों की सफलता कहानियाँ भी प्रस्तुत की गई हैं।

इस दौरान स्टॉल में आने वाले आमजनों को मासिक पत्रिका ÷जनमन÷, सुशासन तिहार 2025, सेवा समर्पण सुशासन, नवाचार की योजनाएँ, तथा विकसित भारत की ओर बढ़ते छत्तीसगढ़ जैसे ब्रोशर, पाम्पलेट और पत्रिकाओं का वितरण किया जा रहा है। युवाओं ने बताया कि जनमन पत्रिका उनके लिए अत्यंत उपयोगी है, क्योंकि इसमें शासन द्वारा संचालित योजनाओं की समग्र जानकारी मिलती है जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायक सिद्ध होती है। साथ ही, विभागीय योजनाओं पर आधारित फोटो प्रदर्शनी ने भी आम नागरिकों का ध्यान आकर्षित किया। नागरिकों ने शासन की योजनाओं से जुड़ने और उनका लाभ लेने में विशेष रुचि दिखाई।

नकली कफ सिरप बेचने पर कार्रवाई

मेडिकल स्टोर का संचालक गिरतार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ द्वारा नकली दवाओं की रोकथाम हेतु निरंतर निरीक्षण एवं सघन अभियान चलाया जा रहा हैं। इसी कड़ी में औषधि बेस्टो कॉफ ड्राई कॉफ फार्मूला जिसमे बैच नंबर, निर्माण तिथि एवं एक्सपायरी तिथि वर्णित नहीं था का नमूना संकलन औषधि निरीक्षक गरियाबंद द्वारा किया जाकर जाँच हेतु औषधि परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया था। जिसे जाँच उपरांत अमानक घोषित किया गया था।

इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए औषधि के लेबल में लिखित निर्माता फर्म से संपर्क किया गया जिसमे ज्ञात हुआ की यह औषधि लेबल वर्णित निर्माता फर्म के द्वारा विनिर्मित नहीं किया गया है। अतः यह औषधि नकली औषधि है ।

इसकी विवेचना करते हुए आज कुलेश्वर मेडिकल एंड जनरल स्टोर्स के संचालक सीताराम साहू को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 के प्रावधानों के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया।

छत्तीसगढ़ अंजोर विज़न 2047 : छात्राओं ने देखा विकसित राज्य का रोडमैप

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्योत्सव में जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी छत्तीसगढ़ - विकास की नई पहचान और समृद्धि का गढ़ आमजन के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यह प्रदर्शनी राज्य की अब तक की उपलब्धियों और भविष्य की विकास योजनाओं को सरल, सजीव और रोचक तरीके से प्रस्तुत कर रही है। प्रदर्शनी में प्रदर्शित अंजोर विज़न 2047 के माध्यम से छत्तीसगढ़ के विकास की दिशा, जनकल्याणकारी पहलों और नई संभावनाओं की जीवंत झलक दिखाई गई है। प्रदर्शनी देखने शंकराचार्य कॉलेज, सेजबहार रायपुर से आई छात्राओं ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन किया और ÷छत्तीसगढ़ अंजोर विज़न 2047 को बेहद प्रेरणादायक बताया।

छात्राओं ने कहा कि यह विज़न प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ÷विकसित भारत /2047 के संकल्प से प्रेरित है और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में एक ठोस कदम है। उन्होंने प्रदर्शनी से जाना कि इस विज़न के अंतर्गत राज्य की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने, बेरोजगारी कम करने तथा पर्यटन को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

छात्रा ममता ने कहा कि अंजोर विज़न 2047 हमारे उज्जवल भविष्य की झलक है, जो एक विकसित और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ का रोडमैप को साकार कर रही है। वहीं छात्रा एम. ममता ने बताया कि प्रदर्शनी से उन्हें राज्य के भविष्य की दिशा और विकास के लक्ष्यों की स्पष्ट समझ मिली। उन्होंने कहा कि यह देखकर गर्व होता है कि हमारा छत्तीसगढ़ शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

प्रदर्शनी स्थल पर जनसम्पर्क विभाग की मासिक पत्रिका 'जनमन' सहित अन्य प्रचार सामग्री का निःशुल्क वितरण किया जा रहा है। इस पहल से आगंतुकों को राज्य सरकार की नीतियों और योजनाओं की जानकारी सहजता से प्राप्त हो रही है।

जिला स्तरीय राज्योत्सव 2025 : विकास के 25 वर्षों की झलक दिखा रहे हैं आकर्षक स्टॉल

सभी विभागों की जीवंत प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। फतेह सिंह खेल मैदान खैरागढ़ में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव 2025 में छत्तीसगढ़ राज्य के गौरवशाली 25 वर्षों की विकास यात्रा को दर्शाने वाली प्रदर्शनी लोगों को आकर्षित कर रही है। तीन दिवसीय इस आयोजन में विभिन्न विभागों ने अपने नवाचार, योजनाएँ और उपलब्धियाँ जीवंत रूप में प्रस्तुत की हैं। जनसंपर्क विभाग द्वारा सजी फोटो प्रदर्शनी में राज्य निर्माण के बाद हुए विकास कार्यों को खूबसूरत छायाचित्रों में प्रदर्शित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा दी गई सौगातें, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, कृषक उन्नति योजना, एक पेड़ माँ के नाम, रामलला दर्शन योजना आदि की झलक इसमें देखने को मिलती है। इसके अलावा जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों को भी प्रदर्शनी के माध्यम से दर्शाया गया है

कृषि विभाग की राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन में तिलहन उत्पादन की प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र

राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन के तहत कृषि विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी में सोयाबीन, सरसों, तिल, मूंगफली व अरण्डी की तिलहन फसलों का प्रदर्शन किया गया। जिले में 1210 हेक्टेयर क्षेत्र में किए गए इस प्रदर्शन से 1847 कृषक लाभांवित हुए हैं। साथ ही परम्परागत कृषि विकास योजना एवं राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत 880 हेक्टेयर में प्राकृतिक खेती का प्रदर्शन किया गया है, जिससे 1571 कृषक लाभ पा रहे हैं। प्रदर्शनी में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए जैविक उत्पाद– नोमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, अग्नास्त्र, जीवामृत व बीजामृत भी आकर्षण का केंद्र रहे।

राज्योत्सव में पशुधन विभाग की प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र: राज्योत्सव के अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी में पशुधन विकास विभाग द्वारा गौधाम योजना, डेयरी उद्यमिता, चारा विकास और उन्नत पशुधन वितरण जैसी योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित की गई। स्टॉल में पशुपालकों को पशु स्वास्थ्य, टीकाकरण व चारा उत्पादन संबंधी जानकारी दी गई। प्रदर्शनी में विभागीय योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण आजीविका और आत्मनिर्भरता की झलक नजर आई। राज्योत्सव में विभाग की प्रदर्शनी में महिला सशक्तिकरण, बाल विकास और पोषण सुधार की 25 वर्षों की उपलब्धियाँ प्रदर्शित की गई। मुख्य आकर्षण रहे महतारी वंदन योजना, बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान और पोषण अभियान। संदेश रहा सशक्त महिला, समृद्ध छत्तीसगढ़।

राज्योत्सव में विभाग द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार व उपलब्धियों की प्रदर्शनी लगाई गई है। स्टॉल में आयुष्मान कार्ड निर्माण, हीमोग्लोबिन जांच, डायबिटीज़ व रक्तचाप जांच, तंबाकू नियंत्रण व अनेमिया मुक्त भारत जैसी योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित की गई है। समेकित उद्यानिकी विकास योजना अंतर्गत विभाग द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें आम फलोद्यान के साथ बैंगन की अंतरवर्तीय फसल और गेंदा क्षेत्र विस्तार का जीवंत प्रदर्शन किया गया है। लाभान्वित कृषकों की झलक सहित योजनाओं का तकनीकी मार्गदर्शन एवं पाम्पलेट वितरण किया जा रहा है।

मछली पालन विभाग की प्रदर्शनी: राज्योत्सव रजत जयंती पर विभाग द्वारा तालाब निर्माण, केज कल्चर व बायोफ्लॉक तकनीक आधारित सघन मत्स्य पालन का प्रदर्शन किया गया है। साथ ही अनुदान योजनाएँ, आहार व प्रोबायोटिक सामग्री प्रदर्शित की गई हैं।

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय की प्रदर्शनी: राज्योत्सव में इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ द्वारा ललित कला, संगीत एवं नृत्य से संबंधित प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें चित्रकला, मूर्तिकला, छाप कला, क्राफ्ट और डिजाइन के माध्यम से कला के अकादमिक महत्व को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी युवाओं में कला एवं कौशल विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य कर रही है। जिला प्रशासन खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के सहयोग से मां बम्लेश्वरी महिला स्व-सहायता समूह द्वारा छुईखदान में पान कैफे की स्थापना की गई है। पान अनुसंधान केंद्र के मार्गदर्शन में पान स्वाद लड्डू, पान रिफ्रेश, मीठा पान, पान चाय जैसे उत्पाद तैयार किए गए हैं। पान की पारंपरिक खेती को प्रोत्साहित करने हेतु यह प्रदर्शनी लगाई गई है। स्व-सहायता समूहों की दीदियों ने अपने हस्तनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई है। भू-जल संवर्धन का मॉडल मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केंद्र, स्वच्छ भारत मिशन के कबाड़ से जुगाड़ जहाँ पर ठोस कचरा प्लास्टिक को कैसे घर मे सजावट की समाग्री बना सकते यह दिखाया जा रहा,अमृत सरोवर, पंचायत भवन, महतारी सदन, अटल डिजिटल केंद्र और गोधाम जैसे घटकों को आकर्षक रूप में प्रदर्शित किया गया है। यह ग्राम्य विकास और आत्मनिर्भरता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करता है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा